भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 249 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 03 सितम्बर 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

कश्मीर के अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी का निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सैयद अली शाह गिलानी ने करीब तीन दशकों तक कश्मीर में अलगाववादी मुहिम का नेतृत्व किया था. उनके निधन के बाद घाटी में एहतियातन सुरक्षा बढ़ा दी गई और इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है.प्रमुख अलगाववादी नेता और हुर्रियत के चेयरमैन रहे सैयद अली शाह गिलानी का बुधवार रात श्रीनगर स्थित घर पर निधन हो गया. वह 92 साल के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे. उन्होंने पिछले साल राजनीति और हुर्रियत से इस्तीफा दे दिया था. गुरुवार सुबह उन्हें सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गिलानी को सुबह 5 बजे हैदरपोरा में सुपुर्द-ए-खाक किया गया, जबकि परिवार उनका अंतिम संस्कार सुबह 10 बजे करना चाहता था। मीडिया में बताया जा रहा है कि परिवार चाहता था कि अंतिम संस्कार में रिश्तेदार भी शामिल हो और इसलिए देर से उन्हें दफनाया जाए. मार्च 2018 में उन्हें मामूली दिल का दौरा पड़ा था और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था. बुधवार देर रात उनके निधन के बाद कश्मीर घाटी में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई. गिलानी कट्टर पाकिस्तानी समर्थक माने जाते थे और वे कश्मीर में अलगाववाद के प्रमुख चेहरों में से एक थे।

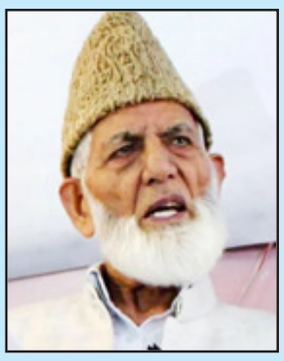

20 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य नवंबर तक शुरू करा देगी। इससे पहले दो महीने में बिडिंग प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कंपनियों का चयन हो जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कैबिनेट की बैठक में निर्माण कंपनियों के चयन के लिए बिड डाक्यूमेंट को मंजूरी दे दी।

एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर औद्योगिक कारीडोर बनेंगे। साथ ही एयरस्ट्रिप भी बनाई जाएगी। एक्सप्रेसवे के नजदीक उद्योग लगने से 20 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता व कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कैबिनेट के निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे के लिए कैबिनेट ने पीपीपी मोड के तहत डीबीएफओटी (टोल) के आधार पर आरएफक्यू-कम-आरएफपी अभिलेखों को मंजूरी दे दी। प्रस्तावित गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना की तकनीकी एवं अन्य संरचनाओं को भी अनुमोदित किया गया है।

इसमें 120 की स्पीड से वाहन दौडेंगे। एक्सप्रेसवे पर 9 जन सुविधा परिसर दो मुख्य टोल प्लाजा (मेरठ एवं प्रयागराज), 15 रैम्प टोल प्लाजा बनेंगे। गंगा नदी पर लगभग 960 मीटर और रामगंगा नदी पर लगभग 720 मीटर लम्बाई के दीर्घ पुल तथा शाहजहांपुर के समीप हवाई पट्टी प्रस्तावित है। सिविल निर्माण लागत लगभग 22,125 करोड़ रुपये है। परियोजना के लिए वांछित भूमि के लिए कुल 9,255 करोड़ रुपये की धनराशि का आकलन किया गया है। परियोजना की कुल अनुमानित लागत 36,230 करोड़ रुपये है।

एक्सप्रेस-वे पर शाहजहांपुर के समीप हवाई पट्टी के निर्माण का प्राविधान है। परियोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन तथा उसके समीप शिक्षण संस्थाओं, कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना से प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 20,000 व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजन की सम्भावना है। एक्सप्रेस-वे आच्छादित क्षेत्रों में विभिन्न उत्पादक इकाइयों, विकास केन्द्रों तथा कृषि उत्पादन क्षेत्रों को प्रदेश की राजधानी एवं राष्ट्रीय राजधानी से जोड़ने हेतु एक औद्योगिक कॉरिडोर के रूप में सहायक होगा। यह एक्सप्रेस-वे हैण्डलूम उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, कोल्ड स्टोरेज, भण्डारण गृह, मण्डी तथा दुग्ध आधारित उद्योगों आदि की स्थापना हेतु एक उत्प्रेरक के रूप में सहायक होगा।

गंगा एक्सप्रेसवे का नवंबर से शुरू होगा निर्माण

बुजुर्गों को सीएम योगी ने दी बड़ी सौगात, राशन-पानी से लेकर दवाई तक का होगा इंतजाम

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के बुजुर्गों को योगी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। यूपी के 55 लाख 77 हजार बुजुर्गजनों को उनकी तीन माह की वृद्धावस्था पेंशन की राशि एकमुश्त मिल गई है। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वृद्धावस्था पेंशन के लिए पात्र इन वरिष्ठ नागरिकों के बैंक खाते में 836.55 करोड़ रुपये डिजिटली ट्रांसफर किए। इसमें 04 लाख 56 हजार ऐसे भी बुजुर्ग शामिल हैं, जो पहली बार पेंशन की राशि मिली। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि वृद्धजन के पास अनुभवों की थाती है। यह हमारे मार्गदर्शक हैं। केंद्र और राज्य सरकार हर एक वृद्ध के जीवन और आजीविका का प्रबंध करने के लिए सेवाभाव के साथ काम कर रही है। बुजुर्गों को राशन-पानी की जरूरत हो अथवा बीमारी के समय इलाज और दवाइयों की, सब कुछ मुफ्त में मुहैया कराया जा रहा है। यही नहीं, बुजुर्गों के लिए खासतौर से एल्डर हेल्पलाइन 14567 जारी किया गया है, जहां 24×7 कोई भी वरिष्ठ नागरिक सम्पर्क कर मदद ले सकता है।

यूपी में साइकिल को रफ्तार दे पाएगी सपा?

अखिलेश के महागठबंधन की रणनीति में फंसा बड़ा पेच

नई दिल्ली (एजेंसी)। छोटे दलों से गठबंधन कर उत्तर प्रदेश की चुनावी वैतरणी पार करने का मंसूबा पाले समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के समक्ष सीटों का बंटवारा सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। क्षेत्रीय दलों की अधिक से अधिक सीटे हासिल करने की लालसा उनकी रणनीति की सफलता में सबसे बड़ा पेच है। उधर, पिछले दिनों आम आदमी पार्टी के यूपी की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा ने पार्टी के रणनीतिकारों को इस दिशा में सोचने पर मजबूर कर दिया है। विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आने के साथ ही उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस सहित दूसरे क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की गतिविधियां तेज हो गई है। इसी क्रम में सपा के नेता एक सितंबर से प्रदेश में

जनादेश यात्रा निकाल कर मतदाताओं की मूड भांपने की कोशिशों में जुट गए हैं। पार्टी रणनीतिकारों का कहना है कि उत्तर प्रदेश में सियासी जमीन मजबूत करने के साथ क्षेत्रीय दलों को साधा जा रहा है, जिससे उनके साथ गठबंधन कर भाजपा को कड़ी टक्कर दी जा सके।

हालांकि, सपा अभी तक राष्ट्रीय लोकदल व महान दल के अलावा किसी और दल को साथ लेकर चुनाव की रणनीति पर अंतिम रूप नहीं ले पाई है, लेकिन अखिलेश यादव को भरोसा है कि अधिक से अधिक छोटे दलों को साथ लेकर चुनाव लड़ेंगे। इन दलों में उनके चाचा शिवपाल यादव की प्रगतिशील समाजवादी पार्टी भी है, लेकिन शिवपाल की पार्टी कितने सीटों पर चुनाव लड़ेगी यह तय नहीं हुआ है। वहीं अपना दल कृष्णा पटेल गुट भी सपा के साथ मिलकर चुनाव तो लड़ना चाहता है लेकिन सीट बंटवारे के फॉर्मूले को लेकर तकरार है।इसके अलावा पीस पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी जैसे दल भी सपा के साथ मिलकर चुनाव तो लड़ना चाहते हैं लेकिन उनकी मांग भी कई सीटों को लेकर है। सपा सूत्रों के मुताबिक, आम आदमी पार्टी भी समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ना चाहती है लेकिन उनकी सीटों की मांग कुछ ज्यादा है। आम आदमी पार्टी के सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद सपा सकते में है। सपा की उत्तर प्रदेश पर विजय हासिल करने के लिए क्षेत्रीय दलों के महागठबंधन की रणनीति कितनी सफल होगी, यह आने वाला वक्त बताएगा।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की सलाह स्वागतयोग्यः मेनका गांधी

सुलतानपुर (एजेंसी)। सांसद मेनका गांधी ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किए जाने की उच्च न्यायालय की सलाह का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि पशुओं के प्रति उच्च अदालत की संवेदनशीलता प्रशंसनीय है। सरकारें जिस दिन पशु वध रोकने में कामयाब हों जाएंगी,उसी दिन इसकी सार्थकता सिद्धा होगी। प्रियंका गांधी गुरुवार शाम अपने तीन दिवसीय दौरे पर सुलतानपुर पहुंचने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि सरकारों को ऊंट, शेर, चीता, भालू, हिरण के वध पर प्रतिबंध लगाना होगा। राजस्व परिषद की ओर से सुलतानपुर जनपद का नाम कुशभवनपुर किए जाने की संस्तुति पर सांसद ने आभार जताया है। कहा कि इसके लिए सभी जनप्रतिनिधियों का संयुक्त प्रयास चल रहा था, इसमें सफलता मिली है। सांसद ने बताया कि जिले के धार्मिक स्थल सीताकुंड,धोपाप व बिजेथुआ महावीरन को राम वन गमन पथ में जोड़े जाने के बाद शीघ्र ही इसे रामायण सर्किट में भी शामिल कर लिया जाएगा।

यूपीः अब हफ्ते में 6 दिन खुलेंगे कक्षा 9 से 12 तक के स्कूल

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के माध्यमिक स्कूलों में अब छह दिन पढ़ाई होगी। अभी शनिवार को छुट्टी रहती है। सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। जिला विद्यालय निरीक्षक को जारी आदेश में कहा गया है कि सोमवार से शनिवार तक स्कूल खोले जाए। बता दें कि प्रदेश में 16 अगस्त से कक्षा नौ से 12 तक के माध्यमिक स्कूलों में पढ़ाई शुरू हो चुकी है। पहले के आदेश में केवल पांच दिन स्कूल खोलने की बात थी। 23 अगस्त से कक्षा छह से आठ तक के बच्चों का भी स्कूल खोल दिया गया है, वहीं एक सितंबर से प्राइमरी स्कूलों में भी पढ़ाई शुरू हो चुकी है। जहां स्कूल खुले है वहां थर्मल स?कैनिंग के बाद ही बच्चों को स?कूल में प्रवेश कराने को कहा गया है। इसके अलावा बच?चों को दो मास?क लेकर आना जरूरी है। सरकारी स्कूलों में मिड डे मील खाने के लिए अपना बर्तन साथ में लाना जरूरी है जिससे बच?चे एक दूसरे के बर्तनों का प्रयोग न कर सकें। बच?चों को अपनी पानी की बोतल साथ लाने को कहा गया है। ऑफलाइन कक्षा के लिए अभिभावकों की अनुमति जरूरी होगी। जो बच?चे ऑफलाइन नहीं पढ़ना चाहते वह अभी ऑनलाइन कक्षा में शामिल हो रहे हैं।

कक्षा नौ से 12 तक के स्कूल हफ्ते में छह दिन खोलने के संबंध में माध्यमिक शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव आराधना शुक्ला ने आदेश जारी किया है। जब 16 अगस्त से माध्यमिक शिक्षा के स्कूल खुले थे, उस समय शनिवार को कोरोना कर्फ्यू लागू था तो स्कूल सोमवार से शुक्रवार तक के लिए खोले गए थे। अब जब शनिवार का कोरोना कर्फ्यू हटा लिया गया है तो सोमवार से शनिवार तक स्कूल खोलने के भी आदेश जारी कर दिए गए हैं।

अभी शनिवार को रहती है छुट्टी

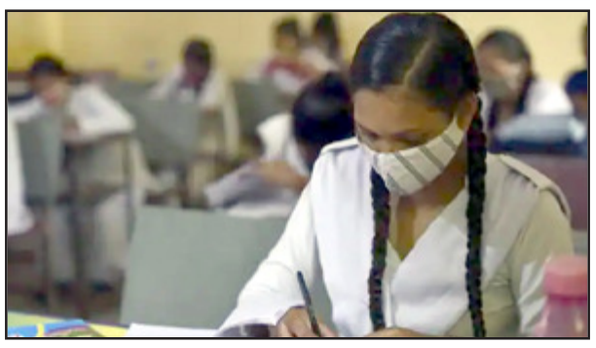

अलकायदा के कश्मीर अजेंडे पर कैसे लगाम कसेगा तालिबान, जमीन पर उतरेगा भारत से किया वादा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान का राज वापस आने के बाद खूंखार आतंकी संगठन अलकायदा ने अब दुनिया भर में इस्लामिक जमीन को कब्जाने की बात कही है। अफगानिस्तान में 20 साल चली जंग के बाद अमेरिकी सैनिकों की वापसी हुई है और अब अलकायदा के इस बयान ने लोकतांत्रिक दुनिया को फिर से सकते में ला दिया है। अलकायदा ने अपने बयान के आखिरी पैराग्राफ में फलस्तीन, सीरिया, सोमालिया, यमन और कश्मीर को इस्लाम के दुश्मनों से आजाद कराने की बात कही है। एक तरफ अलकायदा ने अफगानिस्तान में शरीयत का शासन लागू करने की बात कही है तो वहीं दुनिया भर में उम्माह के लिए जिहाद छेड़ने की बात कही है। अलकायदा के सरगना ओसामा बिन लादेन और तालिबान के मुल्ला उमर के बीच 1980 के दशक में अच्छे संबंध थे। हालांकि अब नए दौर में यह देखने वाली बात होगी

कि तालिबान किस तरह से अलकायदा को डील करता है। अलकायदा के इस बयान के बाद सवाल उठता है कि आखिर तालिबान कैसे अपने उस वादे पर खरा उतरेगा, जिसके तहत उसने किसी भी देश के खिलाफ अफगानिस्तान की जमीन का गलत इस्तेमाल न होने देने की बात कही है। तालिबान इस्लाम की देवबंदी विचारधारा को मानता है, जबकि अलकायदा उसकी सलफी विचारधारा का हिमायती है। इतिहास में मुल्ला उमर और ओसामा बिन लादेन के रिश्तों के चलते दोनों करीब रहे हैं, लेकिन अब वह बीती बात है। हालांकि एक तथ्य यह भी है कि आज तक तालिबान ने कभी अलकायदा की आलोचना नहीं की है। तालिबान ने भले ही यह कहकर भारत को भरोसा दिया है कि वह कश्मीर में कोई हरकत नहीं करेगा। लेकिन भारत को यह देखना चाहिए कि जमीनी तौर पर उसका दावा कितना खरा उतरता है। यदि तालिबान अपने मौजूदा शासन में वादे पर खरा उतरना चाहता है तो फिर उसके नेता मुल्ला अखुंदजादा को अलकायदा, जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर जैसे आतंकी संगठनों से कहना होगा कि वे कश्मीर के अजेंडे को अफगानिस्तान से दूर रखें।

मनी लॉन्ड्रिंग केस

ईडी के समन के खिलाफ एचसी पहुंचे अनिल देशमुख, जज ने सुनवाई से खुद को किया अलग

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख ने उनके खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जारी समन के खिलाफ गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट यानी बंबई उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और याचिका दायर कर उसे रद्द किए जाने का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे की एकल पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए यह याचिका आई ,लेकिन उन्होंने बिना कोई कारण बताए खुद को सुनवाई से अलग कर लिया। उन्होंने कहा कि सुनवाई के लिए इसे मेरी पीठ के समक्ष नहीं रखें। अब याचिका पर दूसरी पीठ सुनवाई करेगी। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा भ्रष्टाचार और आधिकारिक पद का दुरुपयोग करने के मामले में 21 अप्रैल को देशमुख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के बाद ईडी ने पूर्व मंत्री और उनके साथियों के खिलाफ जांच शुरू की थी।

तीसरी लहर की शुरुआत?

एक दिन में 47,092 नए कोरोना केस, एक्टिव मामले 4 लाख के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते 24 घंटे में एक बार फिर से कोरोना के नए मामले 47 हजार के पार हो गए हैं। वहीं, करीब 500 मरीजों ने संक्रमण के कारण अपनी जान भी गंवाई है। इससे पहले बुधवार को भी कोरोना के नए मामले 40 हजार से ज्यादा थे।

चिंता की बात यह है कि अब ठीक होने वालों की संख्या नए मरीजों से कम है और वहीं एक्टिव केस भी लगातार बढ़ने लगे हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, एक दिन में देश के अंदर कोरोना के 47 हजार 92 नए मामले आए हैं। अगर सोमवार को छोड़ दिया जाए तो बीते आठ में से सात दिन भारत में कोरोना के 40 हजार से ज्यादा नए केस दर्ज किए गए हैं। भारत में कोरोना के नए मामले 13 अगस्त को 40 हजार से नीचे हुए थे और 24 अगस्त तक यह सिलसिला जारी रहा।

अभी भी केरल महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है और देश के कुल मामलों में 70 फीसदी से ज्यादा केस केरल से ही हैं। बुधवार को भी राज्य में कोरोना के 32 हजार 803 नए मामले आए हैं, जो कुल नए मामलों का 72 फीसदी है। बीते सात में से 5 दिन केरल में कोरोना के 30 हजार से ज्यादा मामले आए हैं। देश के दूसरे सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य महाराष्ट्र में बुधवार को कोरोना के 4 हजार 456 नए केस दर्ज किए गए हैं। राज्य में कोरोना के नए मामलों में मामूली बढ़त दर्ज की गई है। तमिलनाडु में पूरे हफ्ते कोरोना के नए मामले 1500 के आसपास रहे हैं। वहीं, आंध्र प्रदेश इस सूची में चौथे नंबर पर है और वहां 1100 से 1500 के बीच नए मामले आ रहे हैं। वहीं, कर्नाटक पांचवां सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है, जहां नए केस 1200 के आसपास दर्ज किए जा रहे हैं। इन पांच राज्यों के अलावा किसी भी राज्य में कोरोना के नए मामले 1000 का आंकड़ा पार नहीं कर रहे हैं। हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में तो बुधवार को यह आंकड़ा 20 या इससे भी कम रहा।

खबर संक्षेप

वीरेंद्र सिंह बने उतरांव के नए थानाध्यक्ष

उतरांव। कुछ दिन पहले पूर्व थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह का स्थानांतरण दूसरे जिले में फतेहपुर मे स्थानांतरण हुआ था। वही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बहुत ही सक्रियता दिखाते हुए नए थानाध्यक्ष के रूप में धीरेन्द्र सिंह को उतरांव थानाध्यक्ष घोषित किया।वही नये थानाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह ने उतरांव थाना में पद ग्रहण कर कार्यभार संभाल लिया। अब यह देखना है कि उतरांव क्षेत्र में हो रहे अपराध पर कितना अंकुश लगा पाएंगे। यह बहुत बड़ा सवाल है अब देखना यह है कि इस प्रकार से अपराध पर नियंत्रण पाने में सक्षम होते हैं नवनियुक्त नए थानाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह के लिए बहुत बड़ी चुनौती है।

भोजन उतना ही लें थाली मे ताकि बाहर न जाए नाली मे :महेंद्र

घूरपुर। देश मे प्रतिवर्ष एक सितंबर से सात सितंबर के मध्य पोषण सप्ताह मनाया जाता हैं। जिसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्र की प्रगति एवम पोषण, उत्पादन इत्यादि विषयों पर समाज मे जागरूकता का प्रसार करना होता हैं। उक्त बातें युवा समाजसेवीं एवम प्रबंधक राज नारायण सिंह पटेल इंटर कालेज के प्रबंधक महेंद्र प्रताप सिंह पटेल नें बुधवार को क्षेत्र के मनकवार गाँव मे विश्व पोषण दिवस पर ग्रामीणों को अन्न की महत्ता पर अपने अनुभवो को साझा कर रहें थे। इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि देश मे एक बड़ा तबका प्रतिदिन भूखो सोता है। जबकि उससे अधिक मात्रा मे प्रतिदिन भोजन फेका जाता हैं। इसलिए घर की रसोई से लेकर शादी विवाह तक भोजन उतना ही पकाया जाए जितनी आवश्यकता हों। साथ ही बाजरा, चना, मटर आदि मोटे अनाजो के विषय मे विस्तृत जानकारी साझा किये । इस अवसर पर धीरेन्द्र, रमा, राकेश, पप्पू, श्याम बाबू, राजू आदि लोग मौजूद रहें।

कपठुआ गांव में 250 लोगों नें कराया वैक्सीनेशन

करछना। कोविड महामारी के बचाव के लिए गांव स्तर पर चलाए जा रहे हैं टीकाकरण अभियान में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करछना टीम ने ग्राम सभा कपठुआ में कोविड 19 से बचाव का टीका करण किया गया जिसमे गांव वासियों ने पूरा सहयोग दिया और 250 लोगो का वेक्सीनेसन (टीकाकरण)किया गया उल्लउ करछना टीम को ग्राम प्रधान ने आभार व्यक्त किया ।

दहेज के लिए विवाहिता को छत से ढकेलकर सुला दी मौत की नींद

अखंड भारत संदेश

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के जलालपुर कस्बा गांव में बुधवार को दहेज लोभी ससुराली जनों ने विवाहिता की छत से ढकेलकर उसे गिरा कर हत्या कर दी मामले में पुलिस ने पति सास-ससुर और तीन देवरो के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। जिसमें पुलिस ने पति और सास को गिरफ्तार किया है ।सराय ममरेज थाना क्षेत्र के कौड़ी गांव निवासी दयाशंकर यादव अपनी पुत्री आस्था देवी 21 की शादी जलालपुर कस्बा निवासी राम रसिक यादव के बेटे इंद्रजीत यादव उर्फ बबलू के साथ 2 मई 2019 को की थी ।आरोप है कि शादी के बाद ही ससुराली जनों द्वारा विवाहिता को दहेज कम मिलने का ताना देकर प्रताड़ित करते थे ।दहेज की मांग को लेकर बुधवार की दोपहर इंद्रजीत द्वारा अपने ससुराल फोन कर पुनः दहेज की मांग की गई ।कहा गया कि एक लाख और सोने की चेन दो नहीं तो तुम्हारी लड़की को मार डालूंगा ।फिर शाम को पुनः फोन करके कहा गया कि तुम्हारी लड़की छत से कूदकर मर गई। आओ इसे ले जाओ। यह सूचना मिलते ही घर पर कोहराम मच गया मां दुलारी देवी और घर के सभी लोग रोते बिलखते तुरंत बेटी की ससुराल जलालपुर आ गए ।और देखा तो बेटी का शव घर में चारपाई पर पड़ी थी। मृतका के शरीर में चोट के कई निशान पाए गए ।बेटी का शव देख मायके से आए लोग आपा खो बैठे सभी दहाड़े मार कर रोने लगे। घटना की सूचना तत्काल थाना अध्यक्ष उतरांव को दी। मौके पर पुलिस पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। विवाहिता की मां दुलारी देवी की तहरीर पर पुलिस ने पति इंद्रजीत, ससुर,रामरसिया, और सास तथा देवर धीरज ,नीरज, राम बहादुर उर्फ कलेक्टर के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी पति और सास को पुलिस ने दबोच लिया है।

मृतक विवाहिता की (फाइल फोटो)

पति सास ,ससुर ,और तीन देवरों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज

गरीबी से तंग बढ़ई ने फंदे पर झूल कर की आत्महत्या

जसरा। क्षेत्र के एक गांव में बढ़ई का कार्य करने वाला एक युवक गरीबी से तंग आकर फांसी के फंदे पर झूल गया। मौके पर पहुंची घूरपुर पुलिस ने पंचनामा भरकर शव परिजनों को सौंप दिया। जसरा के रेरा गांव निवासी धर्मेंद्र शर्मा 35 पुत्र स्व० सुदामा शर्मा बढ़ई का कार्य करता था। इन दिनों उसका काम ठीक ढंग से चल नहीं रहा था। घर का खर्च चलाने में पूरी तरह से असमर्थ था। इन सबको लेकर वह बहुत परेशान रहता था। सरकारी मदद के तौर पर अभी एक सरकारी कॉलोनी मिली थी जो निमार्णाधीन है। गुरुवार की सुबह वह उठा तथा नित्य क्रिया करने के बाद लगभग 8 बजे घर के अंदर गया तथा फांसी के फंदे पर झूल गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची घूरपुर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर परिजनों को सौंप दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी तथा दो छोटी बेटियों को रोते बिलखते छोड़ गया। वहीं अचानक धर्मेंद्र शर्मा द्वारा मौत को गले लगाने को लेकर ग्रामीण स्तब्ध है। गांव वालों का कहना है कि अगर उसकी पत्नी और बच्चियों को सरकारी मदद मिल जाए तो गुजर बसर हो सकती है। वहीं पत्नी व दो छोटी बेटियों का भविष्य अंधकार में दिखाई पड़ रहा है। धर्मेंद्र शर्मा अपने माता-पिता का अकेला पुत्र था, जबकि उसके माता-पिता कई वर्ष पहले ही गुजर चुके हैं।

बढ़ती महंगाई एवं भ्रष्टाचार, अपराध से जनता का हाल बेहाल : संदीप

लेडियारी। आज समूचे प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं वहीं दूसरी ओर महंगाई ने आम जनमानस की कमर को तोड़ रखा है' एवं भ्रष्टाचार अपनी चरम सीमा पर है' और प्रदेश एवं केंद्र में बैठी भाजपा की सरकार सिर्फ जुमलेबाजी एवं पूर्व सरकार द्वारा कराए गए कार्यों के शिलान्यास कर फीता काटने में ही व्यस्त है' सत्ता में आने से पूर्व भाजपा की सरकार ने नौजवानों को रोजगार देने की बात कही थी जो कि सिर्फ झुनझुना साबित हुई' आज पूरे प्रदेश में बेरोजगारी की संख्या तेजी से बढ़ रही है और सरकार लोगों को ऊंच-नीच, हिंदू-मुस्लिम आदि चीजों में उलझा कर रखने का कार्य कर रही है' उक्त बातें पूर्व जिलाअध्यक्ष समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी संदीप विश्वकर्मा ने कही' आगे बताया कि विकास पुरुष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा बच्चों को निशुल्क लैपटॉप वितरण कराए गए, किसानों को पानी के कर से मुक्त किया गया, युवाओं को नौकरी देने का कार्य किया गया, अपराधियों पर अंकुश लगाने एवं लोगों की सुरक्षा हेतु हंड्रेड डायल की व्यवस्था की गई, और निशुल्क एंबुलेंस की व्यवस्था की गई थी उपरोक्त कार्यो को आज भी जनता याद कर रही है ' और आगामी 2022 के चुनाव में एक बार फिर से समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने हेतु किसान ,मजदूर ,युवा, व्यापारी तेजी से एकत्रित हो रहा है जिसका सीधा उदाहरण पिछले दिनों हुए पंचायत चुनाव का परिणाम है ।

न्यूज झरोखा

बीस वर्ष बाद चनैनी मुस्लिम बस्ती में इंटर लॉकिग मार्ग बनने से लोगों में खुशी

चनैनी गांव के मुस्लिम बस्ती के लोग खुशी जताते

करछना। विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत चनैनी गांव के मुस्लिम समुदाय की बस्ती के लोग विगत बीस से एक अदद् सडक मार्ग के लिए मोहताज थें, शादी ब्याह आदि समारोह के अवसरों पर लोग गंदे कीचड़ युक्त रास्ते से गुजरने के बाद अपने घरों को पहुचते थें । जिसके लिए बस्ती के लोगों नें अनगिनत बार शिकायतें गांव के प्रधान से लेकर अन्य अधिकारियों तक अपनी फरियाद करने के बावजूद मुस्लिम समुदाय के लोगों के घरों तक पहुचने का रास्ता नहीं बनाया गया था । इस बार के पंचायत चुनाव में ग्रामीणो ने युवा प्रधान धीतेश तिवारी को अपना मुखिया का चयन किया है ।वर्षो से एक पक्का मार्ग के लिए मोहताज हो रहे मुस्लिम बस्ती के घर तक प्रधान ग्राम पंचायत चनैनी धीतेश तिवारी ने उक्त बस्ती के लिए इंटर लॉकिग पक्का मार्ग व नाली का निर्माण कराया हैं । चनैनी गांव के मुस्लिम समुदाय के इजहार, मोहम्मद शकील, मुन्ना सिददीकी, जमील बीडीसी, मसुरियादीन, आदि बड़ी संख्या में महिलाओं सहित गांव के लोग खुशी जताते हुए युवा प्रधान धीतेश तिवारी के प्रति आभार व्यक्त किया है ।

स्वच्छता एवं पोषण के लिए महिलाओं को जागरूक मकरतीं

महिलाएं स्वच्छता एवं पोषण पर दें ध्यान : वंदना सिंह

सहसों। पहल जनकल्याण समिति एवं सेवा संस्थान की अध्यक्ष वंदना सिंह ने थानापुर, सेमरी एवं रामनाथ पट्टी की दर्जनों महिलाओं को स्वच्छता एवं पोषण के लिए जागरूक करते हुए संक्रमण से बचाव विभिन्न आयाम पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होने कहा कि महिलाएं स्वयं तथा अपने परिजनों को स्वच्छता के लिए हाथ धोने के विभिन्न तरीके, घर से बाहर निकलने पर मास्क लगाने तथा बिना काम के भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से परहेज करने के लिए जागरूक किया। इस मौके पर उपस्थित पाच दर्जन महिलाओं को मुफ्त सैनेटरी पैड वितरित करते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वयं की साफ सफाई पर ध्यान देकर निरोगी जीवन जीने की सलाह दी। वंदना सिंह ने सभी महिलाओं और बालिकाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए किसी तरह के शर्म और संकोच से हटकर इसे जरूर अपनाएं। उन्होंने अच्छे पोषण के लिए हरी पत्तेदार सब्जियों के अतिरिक्त घर में उपलब्ध दाल, दूध आदि का सेवन प्रतिदिन करने की सलाह दी । उन दिनों में सभी को अपने स्वास्थ्य और खानपान के प्रति अधिक सचेत रहने की आवश्यकता है ।सभी को साफ सफाई का ध्यान रखते हुए अनिवार्य रूप से सैनेटरी पैड का उपयोग करना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से उषा देवी, निशा देवी, सुनीता, प्रभावती, पुष्पा देवी, मंजू पाल, अनीता देवी आदि महिलाएं उपस्थित रहीं।

मुठभेड़ में ट्रक लूट गैंग का शातिर घायल,दो अन्य फरार

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। बुधवार की रात इलाके के इरादतगंज हवाई पट्टी पर अंतर्राज्यीय ट्रक लूट करने वाले गैंग के सदस्यो और पुलिस से मुठभेड़ हो गई। दोनो तरफ से हो रही फायरिंग मे गैंग के एक सदस्य को गोली लग जाने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया जबकि उसके दो अन्य साथी मौके से भागने में सफल हो गए।

बुधवार की भोर अंतर्राज्यीय हाईवे ट्रक लूटेरे गैंग के तीन सदस्यों को बादलगंज हाईवे से पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जबकि उस दौरान गैंग के तीन साथी सदस्य भाग निकले थे। और पास के गांव में छिपे हुए थे। बुधवार की रात्रि डेढ़ बजे अपाचे बाइक पर सवार होकर तीनों लूटेरे भागने को निकले तो मुखबिर की सूचना पर एसओ राजेश उपाध्याय ने मय फोर्स पीछा कर इरादतगंज हाईवे पट्टी पर घेराबंदी कर ली तो पुलिस टीम देखते ही तीनों लुटेरों ने पुलिस टीम पर तमंचे से फायर झोंक दिया। पुलिस भी बचते हुए लुटेरों पर फायरिंग कर दिया। फायारिंग में गैंग के एक सदस्य शहजाद पुत्र नसीम निवासी हरिहरपुर थाना मान्धाता प्रतापगढ़ को गोली लग गई जिससे वह जमीन पर गिर गया। गोली लगते ही दो साथी शाहरुख व सरगना तौफीक जिंदा कारतूस पुलिस ने बरामद किया। मुठभेड़ की सूचना पर एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित व सी ओ करछना राजेश यादव भी घटना स्थल पर पहुंच जांच पड़ताल कर घायल बदमाश से पूछताछ किया।

पुलिस मुठभेड़ में तमंचा लिए जमीन पर गिरा घायल बदमाश

सरगना तौफीक के गिरफ्तारी को लगी है पुलिस

हाईवे पर ट्रक लूटेरे गिरोह के दो दिन के अंदर चार सदस्य पुलिस के हत्थे चढ़ चुके है लेकिन दोनो बार गैंग का सरगना तौफीक भागने में सफल रहा। माना जा रहा है कि जब तक सरगना पुलिस के पकड़ मे नहीं आयेगा तब तक हाईवे पर ट्रक लूटने की घटना नही रुकने वाली है। गिरफ़्तार घायल लूटेरे ने पुलिस को बताया कि कई जिलों में गैंग के सदस्य हाईवे पर ट्रक लूट के वारदात करने में लगे हुए हैं।

अच्छे मुनाफे के लिए खाद्य सामग्री लदे ट्रक को बनाते हैं निशाना

पुलिस मुठभेड़ में घायल गिरफ्तार ट्रक लूट गैंग के सदस्य शहजाद ने बताया कि ट्रक मे लदे खाद्य सामग्री को बेच मोटी रकम मिलती थी। और बेचने में भी कोई परेशानी नहीं होती थी। वहीं लूटे गए ट्रक को औने पौने दामों में बेच दिया जाता था।

शातिर बदमाश तौफीक नाम बदल बदल कर करता है काम

ट्रक लूटेरो का सरगना तौफीक बेहद शातिर दिमाग का है। हर इलाके में अपना नाम बदल बदल कर लूट की घटनाओं को अंजाम देता है। कभी सलमान तो कभी तारिफ, मास्टर, कल्लू, शमशुल, अहमद, हसन आदि नाम बदल बदल कर लूट की घटनाओं को अंजाम देता है।

गौरा-शंकरगढ़ पेयजल योजना की दूसरी किश्त हुआ जारी

अखंड भारत संदेश

कस्बावासियों ने सांसद डॉ रीता जोशी के प्रति जताया आभार

शंकरगढ़। जनपद के दक्षिणांचल में आबाद शंकरगढ़ की पेयजलापूर्ति के लिए निमार्णाधीन गौरा-शंकरगढ़ पेयजल पाइपलाइन की दूसरी किश्त जारी कर दी गई है। इस पर कस्बावासियों ने सांसद डॉ रीता जोशी का आभार जताया है। यह परियोजना मार्च 2019 में स्वीकृत हुई थी। जिसकी पहली किश्त जारी हुई थी, पर कोरोना काल में इसकी गति धीमी हो गई।

शंकरगढ नगर पंचायत वाटर सप्लाई स्कीम (अंडरग्राउंड) की स्वीकृति नगर विकास अनुभाग-5 ने स्वीकृति प्रदान करते हुए पहली किश्त के रूप में 50 लाख रुपये जारी किए थे। नगर पंचायत शंकरगढ़ को निर्गत इस धनराशि से कार्य शुरू हुआ, पर आगे की धनराशि नहीं मिलने से कार्य अधर में लटक गया। नगर पंचायत की समस्या को देखते हुए प्रयागराज की सांसद डा. रीता बहुगुणा जोशी ने नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन को समस्या से अवगत कराया। इस पर इस योजना की दूसरी किश्त के डेढ़ करोड़ रुपये स्वीकृत कर दिए गए हैं। इस पर कस्बावासियों ने आशुतोष टंडन के साथ ही डॉ रीता जोशी का आभार जताया है। धन्यवाद ज्ञापित करने वालों में कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह के मीडिया प्रभारी दिनेश तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष अनूप केसरवानी, नगर पंचायत चेयरमैन लल्लू कनौजिया,राम खेलावन गुप्ता,चतुर्भुज दास गुप्ता, सुधा गुप्ता, विहिप नगर अध्यक्ष सुजीत केसरवानी, मूलचंद गुप्ता अध्यक्ष व्यापार मंडल, नरेंद्र गुप्ता, रामानुज गुप्ता, डॉक्टर प्रेमचंद्र, नितेश केसरवानी, सुजीत केसरवानी सभासद, प्रकाश गुप्ता सभासद, पंकज, शिव नरेश , रामायण , रतन , संदीप केसरवानी, महेश, अभिलाष त्रिपाठी, सार्थक गुप्ता, मनोज कुमार, सतीश विश्वकर्मा, बबलू, बंटी शंकरगढ़ मंडल अध्यक्ष कुलदीप सोमनाथ वर्मा, मंत्री कुशल जैन एवं आदि शामिल हैं।

दहेज के लिए विवाहिता को पीटा, न्याय की गुहार

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा थाना क्षेत्र मे एक विवाहिता को ससुरालियों ने दहेज के लिए बुरी तरह पीटा। जिससे पीड़ित विवाहिता ने मेजा पुलिस को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। मिली जानकारी के अनुसार गुनई गांव निवासी भोलानाथ आदिवासी अपनी पुत्री मंजू देवी की शादी तीन वर्ष पूर्व थाना क्षेत्र के अमिलिया कला गांव के तारकेश्वर आदिवासी के बेटे शिवलाल के साथ सामाजिक दान दहेज व हिंदू रीति-रिवाज के साथ की थी। ससुरालियों ने आए दिन मंजू को दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे व मारते पीटते थे। 30 अगस्त की शाम मंजू देवी का पति शिवलाल, सास सुरेसा देवी, ननद शीलू, बहनोई कलेक्टर आदिवासी ने मिलकर मंजू देवी की बुरी तरह पिटाई की। जिससे पीड़िता को गंभीर चोटे आई है। पिटाई के बाद पीड़िता को कमरे में बंद कर दिया गया। बुधवार की शाम किसी तरीके से मंजू देवी दरवाजा खोल कर अपने छोटे बच्चे के साथ मायके गुनई भाग आई। वहां पहुंच पीड़िता ने अपने भाई को आपबीती सुनाई। पीड़िता के भाई सुनील कुमार ने मेजा कोतवाली मे तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है।

शिक्षकों का सम्मान समारोह पांच सितम्बर को भदोही में : ननकेस बाबू

अखंड भारत संदेश

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे

बैठक में उपस्थित पदाधिकारी व शिक्षक संघ के नेता

करछना। उत्तर प्रदेश मा०शिक्षक संघ (वित्तविहीन गुट) के प्रदेश अध्यक्ष सपा एमएलसी मा० बिहारी यादव के आह्वान पर प्रयाग जनपद से हजारों माध्यमिक वित्तविहीन शिक्षकों का जत्था सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव के मुख्य अतिथि में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में अपने हुजूम के साथ जे० आर ० एस ० एन० पब्लिक स्कूल इनारगांव , डुहिया , सेमराध, भदोही में । ज्ञात हो कि आगामी 5 सितंबर को शिक्षक सम्मान समारोह के अगुवा पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ने प्रदेश के लाखों माध्यमिक वित्तविहीन शिक्षकों को मानदेय के रूप में 200 करोड़ रुपए उनके खाते में डाला था ।जिसका शिक्षक समाज आज भी ऋणी है। प्रदेश में वर्तमान सरकार ने माध्यमिक वित्तविहीन विद्यालयों को पूर्ण रूप से बंद करने का मन बना लिया है। जिससे प्रदेश भर के लाखों शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी आक्रोशित हैं। खासकर कोरोना काउंट में दो वर्षों से महंगाई का दंश झेल रहे शिक्षक भाजपा के कुत्सित कारनामों से काफी रूस्ट है। लाखों की तादात में उमड़े जन सैलाब को अखिलेश यादव ही शिक्षकों की बात सुन सकेंगे। इसका पूर्ण भरोसा शिक्षक समुदाय को है। सपा के राष्ट्रीय संरक्षक माननीय मुलायम सिंह यादव ने शिक्षकों को अपने मुख्यमंत्री त्व काल में काफी तोहफा दिया था। जिसका शिक्षक आज भी एहसानमंद है। वित्तविहीन शिक्षकों की चीर प्रतीक्षित मांग जिसमें सम्मानजनक मानदेय, सेवा नियमावली, तथा मान्यता की धारा में संशोधन निर्देश मुद्दों को शामिल कर समाजवादी पार्टी अपने 2022 के मिशन में तब सफल होगी जब उक्त मुद्दों को अपने घोषणा पत्र में शामिल करेगी। उक्त आशय की सूचना संघ के जिला मीडिया प्रभारी जेपी यादव ने दी। संघ के जिला अध्यक्ष ननकेश बाबू तथा मंडल अध्यक्ष अभय राज सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों से भारी संख्या में अपील की गई है कि शिक्षक सम्मान समारोह में पहुंच कर अपने प्रदेश अध्यक्ष लाल बिहारी यादव के मार्गदर्शन में पहुंच कर आयोजन को सफल बनाएं। अपील करने वालों में प्रमुख रूप , मंडल अध्यक्ष अभय राज यादव, उपाध्यक्ष फूलचंद कनौजिया, बाल इंदु गौतम, नवीन शुक्ला, गोविंद प्रसाद, सीता शरण यादव, बुधराम यादव, मान सिंह पटेल, रवि करन, जेपी यादव, अमर बहादुर यादव, कमल चंद, प्रेमचंद, सीबी यादव, अमर चंद गुप्ता, शिव मोहन, त्रिभुवन, भुवाई लाल, अवधेश श्रीवास्तव, इंद्र बहादुर कुशवाहा, महेंद्र द्विवेदी, सी पी मिश्रा, शिव मूरत पटेल, शैल कुमारी मौर्या, मदन मुरारी श्रीवास्तव प्रमुख है।

भाजपा सरकार महंगाई रोक पाने में विफल : शाहबाज हक

करछना। मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के पूर्व जिला उपाध्यक्ष प्रवक्ता युवा समाजवादी पार्टी नेता शाहबाज हक ने रसोई गैस में हुए बेतहाशा वृद्धि से नाराज होकर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में केंद्र व प्रदेश में बढ़ती हुई महंगाई एक बहुत बड़ी समस्या हो गई है। महंगाई के कारण आज गरीब, किसान, मजदूर, व मध्य वर्ग और गरीबी रेखा के नीचे स्तर पर लोगों को इतना प्रभावित कर दिया है कि महंगाई की वजह से आए दिन लोग या तो भूख से मर रहे हैं या ना जाने कितने लोग आत्महत्या कर ले रहे हैं। प्रतिदिन रसोई गैस डीजल पेट्रोल तथा घरेलू वस्तुओं के दामों में इजाफा होना, देशवासियों के लिए भीषण समस्या है प्रदेश व केंद्र की सरकार महंगाई को कम करने की बात करती है, उल्टा ही देखने को मिलता है। जनता सरकार से सिर्फ यही मांग करती है, कि यह महंगाई को संतुलित करें। मगर हर बार की तरह सरकार कीमतों को बढ़ा देती है।

भाजपा के युवा कार्यकर्ता हैं पार्टी के रीढ़: सुधाकर पांडेय

भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सुधाकर पांडेय का कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

घूरपुर में भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष का स्वागत करते कार्यकर्ता

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। भाजपा के युवा कार्यकर्ता पार्टी के रीढ़ माने जाते हैं। आगामी विधान सभा के चुनाव में युवा कार्यकर्ता की अहम भूमिका होगी। उक्त बातें घूरपुर और गौहनिया मे आयोजित स्वागत समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा युवा मोर्चा यमुनापार जिला अध्यक्ष सुधाकर पांडेय ने कही। आगे कहा कि भाजपा के युवा साथियों का पार्टी का जनाधार बढ़ाने में भी मुख्य भूमिका रहती है। आयोजित स्वागत समारोह में यमुनापार जिला अध्यक्ष सुधाकर पांडेय को कार्यकर्ताओ ने फूल मालाओं से लाद दिया।

इस दौरान जिलाध्यक्ष ने पार्टी को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए अपने पदाधिकारियों और युवा कार्यकताओं से चर्चा किया। स्वागत समारोह कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ला , मंडल अध्यक्ष जसरा जगत नारायण शुक्ला, मंडल उपाध्यक्ष भूपेंद्र पाठक,युवा भाजपा नेता व स्वागत कार्यक्रम के संयोजक अभिषेक शुक्ला,सुशील द्विवेदी, सुभम द्विवेदी,अखिलेश द्विवेदी, शशीकांत पांडेय, अधिवक्ता राजधर द्विवेदी आदि सैकड़ों कार्यकर्ता स्वागत समारोह में शामिल रहे।

जसरा में कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

जसरा। क्षेत्र के गौहनिया में भाजपा कार्यकताओं द्वारा भाजपा के युवा मोर्चा यमुनापार जिलाध्यक्ष सुधाकर पाण्डेय का जोरदार स्वागत किया ।यह कार्यक्रम भाजपा कार्यालय से शुरू होकर नारी बारी कोराव होते हुए नैनी में जाकर सम्पन्न हुआ कार्यकर्ता पूरे हुजूम के साथ अपने जिलाध्यक्ष का स्वागत करते हुए पार्टी को नई ऊंचाई पर ले जाने की अपने वरिष्ठ पदाधिकारियों से चर्चा किया ।कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व युवामोर्चा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ला भाजपा के पूर्व मीडिया प्रभारी रावेंद्र तिवारी प्रयाग संगम सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा रामजी त्रिपाठी अंकुर त्रिपाठी शिबू त्रिपाठी भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष नंदेश्वर नाथ त्रिपाठी जगत नारायण शुक्ला मंडल अध्यक्ष जसरा,सूरज यादव (प्रधान) आशुतोष मिश्रा अभिषेक शुक्ला, शनी शुक्ला प्रयाग संगम सेवा संस्थान के मीडिया प्रभारी मोहित मिश्रा योगेश यादव उमेश पटेल पंचम पटेल द्विवेदी,अखिलेश द्विवेदी सूरज मौर्या शुभम गौतम आदि उपस्थित रहे।

जसरा में में स्वागत करते कार्यकर्ता

नम आंखों से हुई पूर्व थाना अध्यक्ष प्रवीण सिंह की विदाई

अखंड भारत संदेश

उतरांव। पूर्व थानाध्यक्ष रहे प्रवीण सिंह का स्थानांतरण कुछ दिन पूर्व फतेहपुर जिले में हो जाने से नवनियुक्त थानाध्यक्ष उतराव के रूप में धीरेंद्र सिंह को थानाध्यक्ष बनाया गया। वही एक तरफ पूर्व थानाध्यक्ष के मधुर संबंध व्यवहार उनकी कार्यशैली का एक मिसाल रहा। पूर्व थानाध्यक्ष का स्थानांतरण होने पर क्षेत्र की जनता में मायूसी छा गई। एक तरफ नए थानाध्यक्ष के आने पर लोगों ने खुशियां मनाई तो दूसरी तरफ मधुर संबंध रखने वाले पूर्व थानाध्यक्ष प्रवीण सिंह के स्थानांतरण पर सैकड़ों से ज्यादा लोगों ने उतराव थाने पर पहुंचकर विदाई समारोह में भाग लिया। वहीं थानाध्यक्ष प्रवीण सिंह समस्त स्टाफ समेत क्षेत्र के लोगों ने माल्यार्पण कर मिठाई खिलाते हुए नम आंखों से विदाई की। लोगों ने कहा कि ऐसे जानकार मधुर संबंध रखने वाले थाना अध्यक्ष का आना संभव नहीं है। पूर्व थानाध्यक्ष की सक्रियता व कार्यशैली से क्षेत्र में शांति का माहौल व्याप्त है। अपराधियों व अपराध को बहुत दूर खदेड़ दिया था। फिर हाल प्रवीण सिंह का स्थानांतरण होने पर क्षेत्र के लोगों में मायूसी छा गई। उक्त अवसर पर पूर्व प्रधान राहुल मिश्रा, बृजेश उर्फ मुन्ना पांडे, समाजसेवी अमन सिंह, सपा नेता सुल्तान सिद्दीकी, अफसार भाई, नजमुल मलिक उर्फ नजम, रंजीत कुशवाहा,लाल साहब बिन्द,इदरीश,नान गुरु,विपिन सिंह प्रधान कहरा,सुभाष बिन्द आदि लोग मौजूद रहे।

थानाध्यक्ष का विदाई समारोह करते उतरांव थाने के सिपाही

खबर संक्षेप

छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

प्रयागराज। कीडगंज के कृष्णा नगर में रहने वाली एमए की छात्रा अर्चना केशरवानी (23) ने घर के भीतर फांसी लगाकर जान दे दी। परिवारवालों ने पुलिस को बताया कि वह पढ़ाई को लेकर परेशान रहती थी। पोस्टमार्टम के बाद देर शाम परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मृतका के पिता अशोक केशरवानी व्यापार करते हैं। उनके तीन बच्चों में अर्चना छोटी थी। वह एमए की पढ़ाई कर रही थी। घरवालों ने पुलिस को बताया कि रोज की तरह बुधवार रात भी खाना खाने के बाद सभी लोग सोने चले गए। देर रात मां मीना केशरवानी कमरे में गई तो उसे फांसी पर लटका देख चीखने लगी। परिवार के अन्य लोग पहुंचे तो कोहराम मच गया।

बाबू रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

प्रयागराज। सिविल लाइंस में शिक्षा निदेशालय का बाबू 30 हजार की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। विजिलेंस की टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ा और फिर उसके खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए यह कार्रवाई की। आरोप है कि उसने एक शिक्षक से बकाया वेतन भुगतान के लिए रिश्वत मांगी थी। आरोपी अनिल कुमार शिक्षा निदेशालय के माध्यमिक शिक्षा विभाग में बतौर प्रधान सहायक तैनात है। उसके खिलाफ कुछ महीनों पहले विजिलेंस को शिकायत मिली थी कि वह बकाया वेतन भुगतान व अन्य कार्यों के लिए रिश्वत की मांग करता है। मिजार्पुर के कछवा स्थित गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज के एक शिक्षक की ओर से भी उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई।

परेशान विद्यार्थियों ने घेरा सीबीएसई दफ्तर

रिजल्ट घोषित न होने से, विद्यार्थियों व अभिभावकों ने दी चेतावनी

सीबीएसई दफ्तर के गेट के पास विद्यार्थियों व अभिभावकों का जमा भारी भीड़ को समझाते पुलिस अधिकारी व विरोध जताते अभिभावक व विद्यार्थी।

अखण्ड भारत संदेश

प्रयागराज/शंकरगढ़। सीबीएसई से संबद्ध लारेल्स इंटरनेशनल स्कूल, दांदूपुर (रींवा रोड, प्रयागराज) के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के बच्चों का रिजल्ट घोषित नहीं किया गया है। परिणाम घोषित नहीं होने से बच्चे और उनके अभिभावक स्कूल व दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हो रहे हैं। इन बच्चों का अगली कक्षाओं में दाखिला भी नहीं हो पा रहा है। पिछले माहभर से परेशान दर्जनों बच्चों और उनके अभिभावकों ने गुरुवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय (सिविल लाइंस, प्रयागराज) का घेराव कर परिणाम घोषित किए जाने की मांग उठाई। बच्चों और उनके अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय और बोर्ड की तरफ से जारी किए गए सभी निदेर्शों का पालन किया गया था, सभी प्रकार के शुल्क जमा किए गए थे, बावजूद इसके रिजल्ट घोषित नहीं किए जाने से बच्चों का भविष्य अधर में लटक गया है। बच्चों ने कहा कि बोर्ड ने अन्य स्कूल के बच्चों को अगली कक्षाओं में प्रोन्नत कर दिया है। जबकि उनका परिणाम ही घोषित नहीं किया गया। सीबीएसई के क्षेत्रीय कार्यालय पर प्रदर्शन करने पहुंचे अभिभावकों ने बताया कि वह लोग लारेल्स इंटरनेशनल स्कूल भी गए थे, लेकिन वहां तालाब बंद है। प्रधानाचार्य का फोन स्विच आफ मिल रहा है। स्कूल का कोई भी स्टाफ कुछ बताने को तैयार नहीं है। ऐसे मेंउन्हे बच्चों के भविष्य की चिंता सताए जा रही है। अभिभावकों ने इस संबंध में शिक्षा बोर्ड के सचिव (नई दिल्ली), मंडलायुक्त और जिलाधिकारी से हस्तक्षेप की गुहार लगाई है।

हाईस्कूल के 17 और इंटर के 31 बच्चों का रिजल्ट रुका

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय में दिए गए प्रार्थनापत्र में बताया गया है कि वह लोग परीक्षा परिणाम के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। कोई यह बताने वाला नहीं है कि परिणाम घोषित होगा भी या नहीं। प्रार्थनापत्र के मुताबिक हाईस्कूल के कुल 17 और इंटरमीडिएट के 31 छात्र-छात्राओं का परिणाम घोषित नहीं किया गया है। अभिभावकों का कहना है कि क्षेत्रीय कार्यालय की महिला अधिकारी ने भी कोई ठोस या संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

नारी को सम्मान मिलेगा तभी राष्ट्र का मान बढ़ेगा : रीता जोशी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। आजादी के 75वें साल में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत मिशन शक्ति कार्यक्रम राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कटरा में संपन्न हुआ। जिसमें सेनेटरी नैपकिन की मशीन की स्थापना एवं उद्घाटन आज सांसद प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी एवं सांसद केसरी देवी पटेल जी के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ इस मौके पर बोलते हुए सांसद प्रोफेसर रीता जोशी ने कहा "यदि नारी को सम्मान मिलेगा तभी राष्ट्र का नाम आगे बढ़ेगा।" सांसद केसरी देवी पटेल ने कहा कि "आजादी के 75वें वर्ष का अमृत महोत्सव कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के कई जिलों में चल रहा है, ऐसे में हमारा सौभाग्य है कि योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम प्रयागराज में संपन्न हुआ।" मिशन शक्ति के रूप में प्रयागराज में आयोजित इस तीसरे कार्यक्रम में कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में फूलपुर सांसद केसरी देवी पटेल एवं सांसद प्रयागराज रीता बहुगुणा जोशी रहीं। उत्तर प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की मंत्री कविता यादव त्रिपाठी के नेतृत्व में उक्त कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिला मीडिया प्रभारी चंद्रा अहलूवालिया के अनुसार कार्यक्रम में मुख्य रूप से महानगर की जिला महिला अध्यक्ष शिखा रस्तोगी सहित काजल कैथवास, मृदुला पांडे, रेखा यादव, दुर्गेश नंदिनी सोनकर,उषागुप्ता,रीता साहू,कीर्ति चौरसिया, संगीता गोस्वामी,शोभिता श्रीवास्तव, चेतना ओझा, कल्पना शर्मा के अलावा प्रदेश, क्षेत्रीय एवं जिला महिला मोर्चा की अनेकों महिलाएं सम्मिलित रहीं।

अमृत महोत्सव मिशन शक्ति कार्यक्रम में रीता बहुगुणा जोशी का स्वागत करतीं महिलाएं

मैत्री थाई परियोजना ने बौद्ध कम्यूनको जन सेवा हेतु एम्बुलेंस सौंपी

बौद्ध कम्यूनको को जन सेवा हेतु मिली एम्बुलेंस

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बौद्ध कम्यून (इण्टरनेशनल) को जनसेवा हेतु एक एम्बुलेंस निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। थाईलैण्ड के थाई धम्मगुरू अचानचाह के भिक्खु अचान जयसारो की पहल पर थाई उपासकों ने भारत के 31 बौद्ध स्थलों पर जनहितार्थ कुल 31 एम्बुलेंस बौद्ध संस्थाओं को उपलब्ध कराया जिसमें प्रयागराज की बौद्ध कम्यूनको भी एम्बुलेंस प्राप्त होने में संस्था के विहाराधिपति पूज्य भिक्खु डा0 नन्दरतनथेरो कुशीनगर औरकुशीनगर के ही थाई मैत्री परियोजना से जुड़े ओम प्रकाश कुशवाहा जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। संस्था के प्रबन्ध निदेशक डा0 जी0 एस0 शाक्य ने बताया कि भगवान बुद्ध का धम्म लोककल्याण में ही निहित है। भगवान बुद्ध कहते हैं कि जो रोगी की सेवा करता है वह धम्म की सेवा करता है। दस पारमिताओं में दान पारमिता सबसे पहले है। आज इसीदान के कारण रोगियों की सेवा हेतु थाईलैण्ड के बौद्धजनों द्वारा एम्बुलेंस उपलब्ध करायागया। बुद्ध विहार के भिक्खुसंघ के साथ थाई मैत्री परियोजना के भिक्खुसंघ एवं थाई उपासकों एवं उपासिकाओंको स्वस्थ एवं दीघार्यु की मंगलकामना के साथ सभीकाआभार करते एम्बुलेंस की उपलब्धता हो जाने पर संस्था के संरक्षक रणजीत सिंह सहित क्षेत्र के प्रधान प्रदीप महराजी, आजाद महराजी, विनोद विक्रम, मदन सिंह कुशवाहा, शशि कान्त मौर्य, लक्ष्मण प्रसाद कुशवाहा, राजेश कुशवाहा, लालती शाक्य, गीता कुशवाहाआदि ने थाई लैण्ड को लोगो का आभार व्यक्त करत हुये बताया कि कोरोना संक्रमण ने सभी को दुखी कियाथा। ऐसेमें एम्बुलेंस हो जाने से सिर्फ सम्राट हर्ष वर्धन बुद्ध विहार (अरैल) ही नहीं आस-पास के क्षेत्रों के आमजन को भी इस का लाभ मिल सकेगा। यह सुविधा चैबीस घंटे सातों दिन उपलब्ध रहेगी इसकी बुकिंग के लिए इस मो0: 7897786277 परसम्पर्क किया जा सकताहै।

गल्ला मंडी लेडियारी का बंद रास्ते की नाप के लिए जाते एसडीएम

गल्ला मंडी लेडियारी की बंद रास्ते की नाप करवाने पहुंचे डीएम व एसडीएम कोरांव

लेड़ियारी। तीन वर्षों से काश्तकारों के विवाद में मंडी समिति लेड़ियारी की रास्ता बंद हो गयी है। लंबी शिकायतों के बाद बृहस्पतिवार को मंडी समिति के डिप्टी डायरेक्टर हिमांशु शेखर त्रिपाठी व एसडीएम कोरांव, राजस्व टीम , पुलिस प्रशासन समेत तमाम अधिकारी अभिलेख में अंकित रास्ता 49व53 नंबर की नाप के लिए पहुंचे। जहां पर किसान रमाकांत कमलाकांत व भगवती प्रसाद द्वारा रोक दिया गया। ज्ञातव्य हो कि गल्ला मंडी लेडियारी के निर्माण के समय रास्ते में बनी पुलिया 3 वर्ष पहले टूट गई थी। मंडी समिति द्वारा जब उसे बनाया जाने लगा तो सड़क से सटे हुए कास्तकार कमलाकांत व रमाकांत मिश्र द्वारा स्थगन आदेश लाकर पुलिया को रोक दिया गया। और यह बताया गया कि मंडी समित की रोड 49 व53 नंबर में अंकित है। यह रोड 8 नंबर में बनी है जो कि मेरा भूमिधर जमीन है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जब अभिलेख में अंकित रास्ते की पैमाइश कराई जाने लगी तो भगवती प्रसाद जो कि कमलाकांत व रमाकांत के बड़े भाई हैं, उनके द्वारा उस सड़क को भी रोक दी गयी। और यह बताया कि आपसी बटवारा को लेकर न्यायालय उप जिलाधिकारी कोरांव के यहां वाद दाखिल है,जब तक निर्णय नहीं होगा तब तक नाप संभव नहीं है। मौके कि स्थिति को देखते हुए वहां पर मौजूद अधिकारियों ने नाप को स्थगित कर दिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत बकसेढ़ा वि. ख. सहसों, प्रयागराज
अल्पकालीन निविदा

वित्तीय वर्ष 2021–22 में मनरेगा/राज्य वित्त/15वां वित्त योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत में कराये जाने वाले कार्यों के लिए कार्यस्थल पर इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 03.09.2021 से दिनांक 07.09.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत से कार्य दिवस में 4 बजे तक शील बन्द लिफाफे में निविदा जमा कर सकते हैं, जो दिनांक 08.09.2021 को निविदा हेतु गठित निर्माण कार्य के समिति के सदस्यों के समक्ष सायं 4 बजे खोला जायेगा। सामग्री का विवरण निम्न प्रकार है:–

क्र0	सामग्री	लम्बाई/मात्रा
1.	ईट 150 एमएम प्रथम श्रेणी	प्रति हजार
2.	सिमेंट	प्रति बोरी
3.	महीन बालू	प्रति घन मीटर
4.	ईट 150 एमएम प्रथम श्रेणी	प्रति हजार
5.	ईट गिट्टी 40 एम एम	प्रति घनमीटर
6.	सरिया	प्रति कुन्तल
7.	ह्यूम पाइप	प्रति नग / आर.एम. रनिंग मीटर
8.	सोलर लाईट	प्रति नग
9.	स्ट्रीट लाईट	प्रति नग
10.	इंटरलाकिंग	प्रति हजार
11.	आर.सी.सी. बेन्च सीमेन्ट	प्रति नग
12.	टाईल्स	प्रति नग
13.	हैण्डपम्प अधिष्ठापन	प्रति नग
14.	पल्स आक्सीमीटर	प्रति नग
15.	सफाई कर्मी किट इत्यादि	प्रति नग

नियम शर्तें:– 1. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार आधारित समय के अन्तर्गत आपूर्ति अनिवार्य होगी। 2. सामग्री दर लोक निर्माण विभाग से अधिक नही होगा। 3. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप न होने पर भुगतान की धनराशि से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 4. निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत अद्योहस्ताक्षरी का होगा। 5. अधिक जानकारी हेतु प्रधान/ग्राम विकास अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं।

बृजेश कुमार पाण्डेय (ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत बकसेढ़ा
वि. ख. सहसों, प्रयागराज

पत्रांकः मेमो/02/09/21 दिनांक

अजय कुमार राना
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बकसेढ़ा
सहसों, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत देवापुर वि. ख. सहसों, प्रयागराज
अल्पकालीन निविदा

वित्तीय वर्ष 2021–22 में मनरेगा/राज्य वित्त/15वां वित्त योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत में कराये जाने वाले कार्यों के लिए कार्यस्थल पर इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 03.09.2021 से दिनांक 07.09.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत से कार्य दिवस में 4 बजे तक शील बन्द लिफाफे में निविदा जमा कर सकते हैं, जो दिनांक 08.09.2021 को निविदा हेतु गठित निर्माण कार्य के समिति के सदस्यों के समक्ष सायं 3 बजे खोला जायेगा। सामग्री का विवरण निम्न प्रकार है:–

क्र0	सामग्री	लम्बाई/मात्रा
1.	ईट 150 एमएम प्रथम श्रेणी	प्रति हजार
2.	सिमेंट	प्रति बोरी
3.	महीन बालू	प्रति घन मीटर
4.	ईट 150 एमएम प्रथम श्रेणी	प्रति हजार
5.	ईट गिट्टी 40 एम एम	प्रति घनमीटर
6.	सरिया	प्रति कुन्तल
7.	ह्यूम पाइप	प्रति नग / आर.एम. रनिंग मीटर
8.	सोलर लाईट	प्रति नग
9.	स्ट्रीट लाईट	प्रति नग
10.	इंटरलाकिंग	प्रति हजार
11.	आर.सी.सी. बेन्च सीमेन्ट	प्रति नग
12.	टाईल्स	प्रति नग
13.	हैण्डपम्प अधिष्ठापन	प्रति नग
14.	पल्स आक्सीमीटर	प्रति नग
15.	सफाई कर्मी किट इत्यादि	प्रति नग

नियम शर्तें:– 1. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार आधारित समय के अन्तर्गत आपूर्ति अनिवार्य होगी। 2. सामग्री दर लोक निर्माण विभाग से अधिक नही होगा। 3. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप न होने पर भुगतान की धनराशि से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 4. निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत अद्योहस्ताक्षरी का होगा। 5. अधिक जानकारी हेतु प्रधान/ग्राम विकास अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं।

अनिल कुमार सरोज (ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत देवापुर
वि. ख. सहसों, प्रयागराज

पत्रांकः मेमो/02/09/21 दिनांक

अजय कुमार राना
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत देवापुर
सहसों, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत हसनपुर कोरारी वि. ख. सहसों, प्रयागराज
अल्पकालीन निविदा

वित्तीय वर्ष 2021–22 में मनरेगा/राज्य वित्त/15वां वित्त योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत में कराये जाने वाले कार्यों के लिए कार्यस्थल पर इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 03.09.2021 से दिनांक 07.09.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत से कार्य दिवस में 4 बजे तक शील बन्द लिफाफे में निविदा जमा कर सकते हैं, जो दिनांक 08.09.2021 को निविदा हेतु गठित निर्माण कार्य के समिति के सदस्यों के समक्ष सायं 4.30 बजे खोला जायेगा। सामग्री का विवरण निम्न प्रकार है:–

क्र0	सामग्री	लम्बाई/मात्रा
1.	ईट 150 एमएम प्रथम श्रेणी	प्रति हजार
2.	सिमेंट	प्रति बोरी
3.	महीन बालू	प्रति घन मीटर
4.	ईट 150 एमएम प्रथम श्रेणी	प्रति हजार
5.	ईट गिट्टी 40 एम एम	प्रति घनमीटर
6.	सरिया	प्रति कुन्तल
7.	ह्यूम पाइप	प्रति नग / आर.एम. रनिंग मीटर
8.	सोलर लाईट	प्रति नग
9.	स्ट्रीट लाईट	प्रति नग
10.	इंटरलाकिंग	प्रति हजार
11.	आर.सी.सी. बेन्च सीमेन्ट	प्रति नग
12.	टाईल्स	प्रति नग
13.	हैण्डपम्प अधिष्ठापन	प्रति नग
14.	पल्स आक्सीमीटर	प्रति नग
15.	सफाई कर्मी किट इत्यादि	प्रति नग

नियम शर्तें:– 1. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार आधारित समय के अन्तर्गत आपूर्ति अनिवार्य होगी। 2. सामग्री दर लोक निर्माण विभाग से अधिक नही होगा। 3. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप न होने पर भुगतान की धनराशि से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 4. निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत अद्योहस्ताक्षरी का होगा। 5. अधिक जानकारी हेतु प्रधान/ग्राम विकास अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं।

प्रेमचन्द्र (ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत हसनपुर कोरारी
वि. ख. सहसों, प्रयागराज

पत्रांकः मेमो/02/09/21 दिनांक

अजय कुमार राना
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत हसनपुर कोरारी
सहसों, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत कुम्भौना वि. ख. सहसों, प्रयागराज
अल्पकालीन निविदा

वित्तीय वर्ष 2021–22 में मनरेगा/राज्य वित्त/15वां वित्त योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत में कराये जाने वाले कार्यों के लिए कार्यस्थल पर इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 03.09.2021 से दिनांक 07.09.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत से कार्य दिवस में 4 बजे तक शील बन्द लिफाफे में निविदा जमा कर सकते हैं, जो दिनांक 08.09.2021 को निविदा हेतु गठित निर्माण कार्य के समिति के सदस्यों के समक्ष सायं 2.30 बजे खोला जायेगा। सामग्री का विवरण निम्न प्रकार है:–

क्र0	सामग्री	लम्बाई/मात्रा
1.	ईट 150 एमएम प्रथम श्रेणी	प्रति हजार
2.	सिमेंट	प्रति बोरी
3.	महीन बालू	प्रति घन मीटर
4.	ईट 150 एमएम प्रथम श्रेणी	प्रति हजार
5.	ईट गिट्टी 40 एम एम	प्रति घनमीटर
6.	सरिया	प्रति कुन्तल
7.	ह्यूम पाइप	प्रति नग / आर.एम. रनिंग मीटर
8.	सोलर लाईट	प्रति नग
9.	स्ट्रीट लाईट	प्रति नग
10.	इंटरलाकिंग	प्रति हजार
11.	आर.सी.सी. बेन्च सीमेन्ट	प्रति नग
12.	टाईल्स	प्रति नग
13.	हैण्डपम्प अधिष्ठापन	प्रति नग
14.	पल्स आक्सीमीटर	प्रति नग
15.	सफाई कर्मी किट इत्यादि	प्रति नग

नियम शर्तें:– 1. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार आधारित समय के अन्तर्गत आपूर्ति अनिवार्य होगी। 2. सामग्री दर लोक निर्माण विभाग से अधिक नही होगा। 3. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप न होने पर भुगतान की धनराशि से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 4. निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत अद्योहस्ताक्षरी का होगा। 5. अधिक जानकारी हेतु प्रधान/ग्राम विकास अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं।

रामसिंह (ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत कुम्भौना
वि. ख. सहसों, प्रयागराज

पत्रांकः मेमो/02/09/21 दिनांक

अजय कुमार राना
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कुम्भौना
सहसों, प्रयागराज।

प्रतापगढ़ संदेश

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी में बिजली गुल होने से मरीज रहे बेहाल

संविधान के मौलिक अधिकारों का हो रहा उल्लंघन

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्राण और दैहिक स्वतंत्रता से जुड़ा है जिसे जीवन जीने का अधिकार कहा जाता है। ऐसे में जीवन जीने में आने वाली अड़चन अनुच्छेद 21 का सीधा उल्लंघन है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी में विद्युत आपूर्ति बाधित होने से इमेरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीज गर्मी से उबल पड़े। तबीयत खराब होने से मरीजो को दवा राहत मिल या न मिले इसकी गारंटी तो नही है लेकिन उमस से तबियत खराब होना तो सुनिश्चित है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक नीरज सिंह से बात करने पर उन्होंने बताया कि लाइट गुल हो जाने पर मरीजो का यही हाल होता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किसी भी प्रकार की गंभीर समस्या होने पर उसे इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया जाता है लेकिन लाइट गुल होने के बाद उसकी क्या स्थिति होती है इसकी बानगी देखनी हो तो आप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी हो लीजिए, उमस भरी गर्मी में मरीज विद्युत आपूर्ति बाधित होने से तड़प उठते हैं। यहां पर न तो जनरेटर की कोई व्यवस्था है नाही अन्य किसी चीज के गुरुवार की दोपहर दो बजे अचानक लाइट गुल हुई तो एमरजेंसी वार्ड में मौजूद मरीज अचानक तड़प उठे एक महिला तो गर्मी के मारे उल्टी करने लगी।

ओवरलोड चलने वाली ट्रकों पर प्रशासन करें कार्रवाईः ट्रक यूनियन

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी तहसील मुख्यालय पर ट्रक यूनियन का गठन किया गया जिसका अध्यक्ष नंदलाल जायसवाल को बनाया गया। इस ट्रक यूनियन के बैनर तले स्थानी ट्रक चालक एवं मालिक शामिल हैं। यूनियन की बैठक में यह तय किया गया कि बाहर से सामान लाकर आने वाली ट्रक है खासकर रेत, गिट्टी, तथा अन्य सामग्री ओवरलोड चल रही है, जिस पर प्रशासनिक अधिकारी कार्रवाई नहीं करते। जबकि स्थानीय चालक एवं मालिक प्रशासन के भय से अंडरलोड आते हैं। ऐसे में बाहर से आ रहे ओवरलोड ट्रकों के चलते उनके व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं। मामले में तहसील प्रशासन को शिकायत ही पत्र देकर कार्रवाई की मांग की गई है। इस मौके पर अमित जायसवाल, श्याम सिंह, हीरालाल यादव, मोहम्मद वसीम, अकबर अली, सूबेदार यादव, अतीक अहमद, प्रेमचंद्र यादव, सलमान खान, जगदीश कुमार वर्मा समेत तमाम चालक व मालिक मौजूद रहे।

घासों को नष्ट करने के लिये शुरु हुआ दवा के छिड़काव का नया प्रयोग

सभी वार्डों में होगा दवा का छिड़काव

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। डेंगू सहित अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिये नगर पालिका ने नाले-नालियों के बगल तथा सड़कों के किनारे बरसात में उगी घासों को नष्ट करने के लिये गुरुवार को खरपतवार नासी दवा का छिड़काव करने का नया प्रयोग शुरु किया है।

पहले दिन इस दवा का छिड़काव अम्बेडकर चौराहे से लेकर गाय घाट तक तथा केपी कालेज से विकास भवन से नाले-नालियों तथा सड़क के किनारे किया गया। यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि वर्षा ऋतु से घासें बढ़ जाती हैं और नाले-नालियों के किनारे उगी घासों से गंदगी फैलती है तथा उसमें जहरीले कीटाणु भी रहते हैं। इसको समाप्त करने के लिये नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह व अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह द्वारा बनाई गई कार्य योजना के तहत गुरुवार से इसका नया प्रयोग शुरु किया गया। इससे घासें नष्ट हो जा रही हैं। बता दें कि घासों को काटने में ज्यादा समय व श्रम लगता है। ऐसे में यह खरपतवार नासी दवा से आसानी से घासें समाप्त हो जा रही है। सफाई निरीक्षक ने यह भी बताया कि इस दवा का छिड़काव नगर के सभी वार्डों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस समय डेंगू व अन्य संक्रामक रोगों का प्रचलन बढ़ा है।

युवक की गोली मारकर हत्या, साथी रेफर

घर में मचा कोहराम, पुलिस जांच में जुटी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। कंधई थाना क्षेत्र के दारिमाधव गांव के पास बीती रात बदमाशों ने एक व्यापारी के पुत्र पर गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। उसके साथ पूर्व ब्लाक प्रमुख का बेटा भी बदमाशों की गोली का शिकार हो गया। इलाज के लिये उसे प्रयागराज रेफर किया गया है। कंधई थाना क्षेत्र के रखहा गांव के रहने वाले रवीन्द्र जायसवाल की परचून की दुकान है। उनका बेटा आकाश जायसवाल (25) अपने मित्र प्रेम सरोज निवासी फतेहपुर के साथ बुलेट से बीती रात रखहा बाजार गया था। वहां से दोनों लोग वापस दीवानगंज बाजार की तरफ जा रहे थे। दोनों पट्टी-प्रतापगढ़ मार्ग पर स्थित दारिमाधव गांव के पास पहुंचे ही थे कि उन पर बाइक सवार दो बदमाशों ने तमंचे से तीन फायर किया। इसके बाद बदमाश भाग निकले। वहीं फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इस दौरान आकाश के सिर में गोली लगी थी और प्रेम के हाथ और पीठ में गोली लगी थी। सूचना पर कंधई एसओ मौके पर गये और दोनों घायलों को आनन-फानन में जिला अस्पताल ले जाया गया जहां पर डाक्टरों ने आकाश को मृत घोषित कर दिया और प्रेम की हालत खराब होने पर उसे प्रयागराज के लिये रेफर कर दिया। आकाश की मौत से घर में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

सर्पदंश से अधेड़ की मौत, परिजनों मे मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। खेत मे काम करने गये अधेड़ की सर्पदंश से मौत होने पर परिजनों मे कोहराम मच गया। लालगंज कोतवाली के बेलहा के बुआ का पुरवा निवासी पचास वर्षीय सुम्मारी पुत्र लालता प्रसाद गुरूवार की सुबह खेत मे काम करने गया था। इस दौरान विषैले सर्प के काटने से उसकी तबीयत बिगड गयी। परिजन उसे लेकर अस्पताल जा रहे थे लेकिन रास्ते मे सांसे थम गई। लालगंज सीएचसी पहुंचने पर चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी होने पर मृतक के परिजनों मे कोहराम मच गया।

बाइक की टक्कर से किशोर का पैर टूटा

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के होशियारपुर गांव में दरवाजे पर सड़क के किनारे खड़े 10 वर्षीय किशोर को गांव की ही एक युवती ने बाइक से टक्कर मार दी। हादसे में किशोर का पैर टूट गया। परिजन उसे इलाज के लिए तहसील मुख्यालय लेकर आए हैं। होशियारपुर निवासी विनोद कुमार शुक्ला ने बताया कि उनके भतीजे शेखर शुक्ला 10 वर्ष दरवाजे पर खड़े थे। इसी बीच गांव की ही एक युक्ति बाइक से जा रही थी। उसने किशोर को टक्कर मार दी, जिससे उसे गंभीर चोटें आई हैं। उसे इलाज के लिए पट्टी सीएचसी लेकर गए थे। जहां पर उसका एक्सरे ना होने के कारण उसे प्राइवेट स्तर पर एक्सरे के लिए लाया गया है।

आंगनबाड़ी केन्द्र बड़नपुर में पौधरोपण कर राष्ट्रीय पोषण माह का हुआ शुभारम्भ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बच्चों, किशोरियों और महिलाओं में पोषण के स्तर में सुधार के उद्देश्य से राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारम्भ जनपद के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर किया गया। राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारम्भ आंगनबाड़ी केन्द्र बड़नपुर में किया गया। राष्ट्रीय पोषण माह के तहत प्रथम सप्ताह में आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पोषण वाटिका एवं पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारम्भ के अवसर पर आंगनबाड़ी केन्द्र बड़नपुर में जिला कार्यक्रम अधिकारी पवन कुमार यादव, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, पर्यावरण सेना के अजय क्रान्तिकारी द्वारा अमरूद, पपीता, आंवला, सहिजन, नीबू आदि के वृक्ष लगाये गये। इस दौरान जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार ने कहा कि पौधरोपण अभियान के अन्तर्गत पोषण वाटिका का समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं समुदाय की भूमि पर पौधरोपण अभियान को प्रोत्साहन देना महत्वपूर्ण है। फल एवं सब्जियां सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्वपूर्ण स्रोत है। इन पोषक तत्वों को नियमित आहार में सम्मिलित करने से स्वास्थ्य बेहतर होता है। सितम्बर माह साग-सब्जियों एवं फलों के रोपण का उचित समय है। पोषण वाटिका/न्यूट्री गार्डेन की स्थापना हेतु सरकारी स्कूलों, आवासीय स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, ग्राम पंचायत की भूमि को प्राथमिकता प्रदान की जानी है।

परिवार परामर्श केन्द्र में तीन परिवार का हुआ समझौता

पति-पत्नी विवाद के कुल 35 प्रकरणों में हुई काउंसलिंग

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस द्वारा परिवार परामर्श केन्द्र पर पति-पत्नी के विवाद में कानूनी कार्यवाही से पूर्व काउण्सलर की उपस्थिति में विवाद का सौहार्दपूर्ण समाधान कराया जाता है। इसी क्रम में पुलिस लाइन में स्थित सभागार स्थल पर प्रतापगढ़ पुलिस द्वारा जनपद से पति-पत्नी विवाद के कुल 35 प्रकरणों से सम्बन्धित सभी परिवारों को बुलाया गया, जिसमें से 18 प्रकरणों में दोनों पक्ष उपस्थित हुए। नौ प्रकरण में एक पक्ष व आठ प्रकरणों से सम्बंधित उभयपक्ष अनुपस्थित रहे।

डॉ0 श्रद्धा सिंह, डॉ0 पीयूष कान्त शर्मा व समाजसेवी सुरेश जायसवाल एवं जनपद पुलिस की महिला सहायता प्रकोष्ठ की पूरी टीम द्वारा उपस्थित परिवारों को समझाया बुझाया गया तथा सौहार्दपूर्ण समाधान हेतु अगली तारीख पर बुलाया गया है। को स्वीकारते हुए पुनः आपसी सहमति से एक साथ रहने के लिए तैयार हुए और पत्नी अपने पति के साथ खुशी-खुशी अपने घर गई। काफी समझाने के बाद भी दो परिवारों द्वारा विवाद खत्म नहीं किया गया, जिनके विरूद्ध अभियोग पंजीकरण की कार्यवाही की जा रही है। शेष परिवारों को समझाया बुझाया गया तथा सौहार्दपूर्ण समाधान हेतु अगली तारीख पर बुलाया गया है।

बकाया बिल के चलते आठ प्राइमरी स्कूलों की बिजली कटी

परियावां, प्रतापगढ़। सरकारी स्कूलों में बिजली का बकाया होने के चलते लगभग आठ प्राइमरी स्कूलों की बिजली बकाया अभियान के तहत काटी गई। मालूम हो कि एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देश पर एक सितम्बर से प्राइमरी स्कूलों को खोलने का निर्देश जारी किया तो वही दूसरी तरफ बिजली विभाग ने सरकारी प्राइमरी स्कूलों में लम्बी रकम बकाया के चलते 30 अगस्त से अभियान चलाकर सरकारी ऑफिस व प्राइमरी स्कूलों की बिजली काट दी जिससे स्कूलों में बच्चों को बिना बिजली के पंखे के नीचे बैठकर गर्मी में पढ़ना पड़ेगा। इस बाबत जानकारी करने पर एक्स ई एन उमाकांत ने बताया कि बिधुत उपकेंद्र कालाकांकर से जुड़े प्राइमरी स्कूल ब्रह्मौली का बिजली बकाया 2,03,662 रु0, प्राइमरी स्कूल बरवलिया याकूबपुर का 99,903 रु0, प्राइमरी स्कूल सोनामऊ का 41,042 रु0, प्राइमरी स्कूल सिंदौर का 1,37,465 रु0, प्राइमरी स्कूल बिराहिमपुर का 2,69,422 रु0, प्राइमरी स्कूल हिनाहू का 2,69,846 रु0, प्राइमरी स्कूल कालाकांकर प्रथम का 1,74,118 रु0, प्राइमरी स्कूल आलापुर का 2,71,957 रु0 बकाया होने के चलते बिजली काट दी गयी है।

एमडीपीजी कालेज में नवनियुक्त प्राचार्यो का हुआ सम्मान समारोह

कई विभाग के प्रोफेसर ने की शिरकत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मुनीश्वर दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ की शिक्षक इकाई संघ द्वारा महाविद्यालय से चयनित प्राचार्यो के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग इलाहाबाद द्वारा घोषित परिणाम में महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र एवं प्राचीन इतिहास विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ शैलेंद्र कुमार मिश्र एवं शिक्षा शास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष डॉ राजीव मालवीय के सम्मान में एक समारोह का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया।

इस सम्मान समारोह में महाविद्यालय शिक्षक इकाई संघ के अध्यक्ष डॉ अरविंद मिश्र और महामंत्री डॉ किरण मिश्र ने आयोजन की रूपरेखा बनाई। डॉक्टर राधाकृष्ण दुबे ने सम्मान समारोह का संचालन किया। इस इस अवसर पर नवनियुक्त प्राचार्य के पिछले उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में प्राचार्य पद पर अच्छे कार्यों हेतु शुभकामना दी गई। डॉक्टर राधाकृष्ण दुबे ने कहा कि जिस महाविद्यालय में ऐसे गौरवान्वित प्राचार्य मिलेंगे उस महाविद्यालय की शोभा भी इन प्राचार्य को पाने से बढ़ जाएगी। विद्वान वक्ताओं ने अपने अपने विचार विस्तार से रखा। इस अवसर पर डा अरूण कुमार श्रीवास्तव, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग डॉक्टर सुधांशु त्रिपाठी प्रोफेसर राजनीति विज्ञान, डॉ अमिता मिश्रा एसोसिएट प्रोफेसर प्राणी विज्ञान, डॉ गीता शुक्ला एसोसिएट प्रोफेसर, डॉक्टर शैलेश कुमार पांडे असिस्टेंट प्रोफेसर इ.म्क विभाग, डॉ अरुण कुमार मिश्र असिस्टेंट प्रोफेसर हिंदी विभाग, डा रेखा मिश्रा असिस्टेंट प्रोफेसर हिंदी विभाग, अभिषेक सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर प्राणि विज्ञान विभाग, मुक्ता बर्मा असिस्टेंट प्रोफेसर प्राचीन इतिहास विभाग उपस्थित रहे।

पेयजल आपूर्ति टंकियों के कनेक्शन काटने के मामले मे ऊर्जा मंत्री से मिली विधायक मोना

लालगंज, प्रतापगढ़। कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता एवं रामपुरखास की विधायक आराधना मिश्रा मोना ने पेयजल समूह योजनाओं मे विद्युत कनेक्शन काटने पर प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री से वार्ता किया। विधायक मोना ने ऊर्जा मंत्री को बताया कि पेयजल टंकियो के कनेक्शन काटे जाने से जिले मे पेयजल को लेकर किल्लत उत्पन्न हो गयी है। मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से जारी प्रेस विज्ञप्ति मे विधायक मोना की ओर से कहा गया है कि प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने पेयजल टंकियो के कनेक्शन काटने को गंभीर प्रकरण बताते हुए संज्ञान मे लेकर कार्रवाई के निर्देश जारी करने का आश्वासन दिया है। विधायक मोना ने बताया कि इस मामले मे ऊर्जा मंत्री ने पूरी तरह से अनभिज्ञता जताई। इससे पहले विधायक मोना ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर जनहित से जुड़ी पेयजल आपूर्ति योजनाओं की विद्युत कनेक्शन कटौती रोकने के लिए विभागीय अधिकारियों को पत्र निर्गत करने को कहा था।

आज आएंगे संगठन मंत्री रामाशीष

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय चेतना को अनुप्राणित करने वाली माँ गंगे की अविरलता और निर्मलता के लिए सतत क्रियाशील राष्ट्रीय संगठन गंगा समग्र की जनपद इकाई प्रतापगढ़ के कार्यकारिणी की बैठक संगठन के पालक अधिकारी प्रभाशंकर पांडेय की अध्यक्षता में राजेश मिश्र के आवास रामायण सदन, शिक्षक नगर में सम्पन्न हुई। गंगा समग्र के जनपदीय संयोजक प्रभात मिश्र ने बताया कि इस माह के प्रथम शुक्रवार तीन सितम्बर को होने वाली आरती में राष्ट्रीय संगठन मंत्री रामाशीष का आगमन हो रहा है। बैठक में आरती प्रमुख राम उजागिर मिश्र, संपर्क प्रमुख पंकज तिवारी, घाट प्रमुख विनय सिंह, जल निकास प्रमुख अल्केश, शिक्षण संस्था प्रमुख विजय पांडेय, पालक अधिकारी शीतांशु उपस्थित रहे।

दो घरों से चोरों ने उड़ाये नकदी व जेवर, पुलिस से शिकायत

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। बंद घर से अज्ञात चोरों ने नकदी व जेवर समेत हजारों का माल उडा दिया। लालगंज कोतवाली के पूरे बंशी निवासी रामकृपाल शुक्ल नगर के पेट्रोल पम्प के समीप आवास बनाकर रहते है। बीते कुछ दिनों से वह परिवार के साथ किसी कार्य के सिलसिले मे मुम्बई मे रहते है। इस बीच मौका पाकर अज्ञात चोर छत के रास्ते उनके घर मे दाखिल हुए और बंद कमरों का ताला तोडकर नकदी, जेवर, गैस सिलेण्डर समेत कई कीमती सामान चोरी कर ले गये। पीड़ित के रिश्तेदार त्रिलोक कुमार त्रिपाठी निवासी जलालपुर रायबरेली ने घटना की जानकारी होने पर कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर मुकदमा दर्ज किये जाने की मांग की है। प्रभारी कोतवाल ने बताया कि चोरी की घटना की जांच कर आरोपियो के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उधर सलेम भदारी निवासी विजय पटेल ने भी कोतवाली मे तहरीर देकर दीवार फांद कर अज्ञात चोरों द्वारा नकदी व जेवरात चोरी करने की तहरीर दी है। पुलिस ने जांच के बाद पीड़ित को कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

तीन वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा निरंतर अपराध/अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना आसपुर देवसरा के उ0नि0 मुन्नीलाल मय हमराह द्वारा थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 204/2021 धारा 34, 352, 304 भादंवि से संबंधित दो वांछित अभियुक्त नन्हेलाल पुत्र कुटई व पवन कुमार पुत्र नन्हेलाल निवासीगण ग्राम भाटीकला थाना आसपुर देवसरा को थाना क्षेत्र के ग्राम भाटीकला से गिरफ्तार किया गया व गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो अदद डण्डा (लकड़ी) का बरामद किया गया। उधर थाना कोहड़ौर के प्रभारी निरीक्षक बच्चेलाल प्रसाद मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर, मु0अ0सं0 68/2019 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट (थाना अंतू) से संबंधित वांछित अभियुक्त जीतलाल सरोज पुत्र राम दयाल सरोज निवासी ग्राम बीबीपुर थाना पट्टी को मदाफरपुर बाजार के पास चन्दुआडीह मोड़ से गिरफ्तार किया गया।

मार्ग दुर्घटना की हो मजिस्ट्रियल जांच

प्रतापगढ़। ऑल इंडिया रुलर्स बार एसोसिएशन एक बैठक प्रदेश अध्यक्ष मुक्कू ओझा एडवोकेट की अध्यक्षता में हुई जिसका संचालन जिला अध्यक्ष अंजनी सिंह बाबा ने किया। बैठक में ऑल इंडिया रुलर्स बार के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश शुक्ला एडवोकेट के लालगंज में मार्ग दुर्घटना में घायल होने पर प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ भेज दिया गया था जिसमें डॉक्टरों द्वारा इलाज के उपरांत उनको उनके निज निवास मैं आराम करने की सलाह दी गई।

सपा मुखिया को भेंट की बाबासाहेब की प्रतिमा

संविधान बचाओ लोकतंत्र बचाओ को लेकर जारी है अभियान

अखंड भारत संदेश

भदोही। संविधान बचाओ लोकतंत्र बचाओ को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता राजेंद्र प्रसाद यादव उर्फ लल्ला एवं रवि शिवकरण यादव द्वारा पिछले काफी समय से शुरू की गई मुहिम में जहां अब तक हजारों लोगों को संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा भेंट की गई। वहीं इस कड़ी में 3 दिन पूर्व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय पर मिलकर उन्हें भी बाबा साहेब की प्रतिमा भेट की।

सपा मुखिया को बाबासाहेब की प्रतिमा भेटकर भदोही लौटे रवि शिवकरण यादव एवं राजेंद्र प्रसाद यादव उर्फ लल्ला ने कहा कि सपा मुखिया ने जन-जन के बीच बाबा साहेब की प्रतिमा भेंट कर संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए चलाए जा रहे इस कार्यक्रम की सराहना की है। कहा कि सपा मुखिया से मिले आशीर्वाद के फल स्वरुप यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा। श्री यादव ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहां पर संविधान में समाज के हर वर्ग को मौलिक अधिकार मिला है। संविधान में बाबासाहेब ने जो व्यवस्था दी है उसी का परिणाम है कि आज समाज का हर वर्ग अपने सम्मान सुरक्षा और अधिकार की बात को हर मंच पर मजबूती के साथ रख रहा है।

लेकिन बीते कुछ सालों में केंद्र और प्रदेश में सत्ता में शामिल भारतीय जनता पार्टी की सरकार में लोकतंत्र और संविधान के साथ जो खिलवाड़ हो रहा है वह आने वाले समय में देश की जनता के लिए सही नहीं है। कहा कि हम अपने संवैधानिक मूल्यों की अनदेखी कर देश और प्रदेश को विकास और खुशहाली के रास्ते पर आगे नहीं ले जा सकते और ना ही समाज में समरसता और भाईचारा की स्थिति को मजबूत स्वरूप दे सकते हैं। कहा कि मौजूदा समय में जिस तरह से सामाजिक विद्वेष और नफरत का जहर देखने को मिल रहा है उससे हम सबको निकलना होगा। बाबासाहेब के विचारों और उनके सिद्धांतों के साथ चल कर देश को सही मायने में सही दिशा दी जा सकती है। कहा कि इस कड़ी में समाजवादियों ने हमेशा अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ना सिर्फ संघर्ष किया बल्कि जब भी जरूरत पड़ी है आंदोलन से भी पीछे नहीं हटे हैं। कहा कि जनता सरकार की तानाशाही रवैया और हिटलर शाही को समझ चुकी है। जनता ने देख लिया है कि लोकतंत्र और संविधान की सुरक्षा को लेकर साथ ही आम जनमानस की खुशहाली को लेकर सरकार चला पाने में कोई सक्षम है तो सिर्फ समाजवादी पार्टी।

अच्छी टीम के साथ इंडस्ट्रीज के लिए लेकर आए हैं विजन : संजय

सीईपीसी चुनावः संजय गुप्ता गुट ने आयोजित किया निर्यातक मीट

अखंड भारत संदेश

भदोही। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) के 17 प्रशासनिक समिति के सदस्यों के हो रहे चुनाव को लेकर गुरुवार से आनलाइन वोटिंग शुरू हो गई है। वोटिंग शुरू होने से पूर्व बुधवार की देर शाम संजय गुप्ता गुट द्वारा नगर के स्टेशन रोड स्थित एक व्यवसायिक प्रतिष्ठान में निर्यातक मीट का आयोजन किया गया। जिसमें मौजूद कालीन निर्यातक सदस्यों से गुट के अगुआ संजय गुप्ता ने अपने पैनल के सभी प्रत्याशियों के पक्ष में वोटिंग करने की अपील की गई।

इस दौरान इस गुट से चुनाव लड़ रहे यूपी कोटे से संजय गुप्ता, उमेश कुमार शुक्ला, राशिद कमर अंसारी, अब्दुल सत्तार अंसारी, जितेंद्र कुमार गुप्ता, शाहिद अंसारी, रामदर्शन शर्मा, मोहसिन अली अंसारी, शेष भारत से विशाल गर्ग, नवीन सुराना व कश्मीर कोटे से मेहनाज यासीन जान का परिचय कराया गया। उसके बाद संजय गुप्ता ने कहा कि इधर कुछ वर्षों से सीईपीसी में ऐसे लोग काबिज होते चले आ रहे हैं। जिनके पास कोई विजन नहीं था। वे संबंधों का हवाला देकर जीतते चले गए। लेकिन इससे इंडस्ट्रीज का बहुत बड़ा नुकसान हुआ। ड्रा बैंक खत्म हो गया। लाइसेंस को खत्म कर दिया गया। अब रोड टेप दिया जा रहा है तो वह भी न के बराबर है। कंटेनर का दाम बढ़ गया। लेकिन इसके बावजूद भी कंटेनर नहीं मिल रहा। कोरियर का भी फ्रेट बढ़ गया है।

अगर उनके द्वारा सरकार के समक्ष इन बातों को रखा गया होता तो इंडस्ट्रीज की हालत ऐसी न होती। उन्होंने कहा कि हम लोग एक अच्छी टीम और इंडस्ट्रीज के लिए एक विजन लेकर आए हैं। अपने घोषणा पत्र से श्री गुप्ता ने सभी निर्यातकों को अवगत कराया और कहा कि सरकार ने कार्पेट इंडस्ट्रीज को कार्पेट एक्सपो मार्ट के रुप में एक अच्छी सौगात दी है। चुनाव जीतने के 45 दिन के अंदर वहां पर मेले के आयोजन को लेकर रणनीति तय की जाएगी। निर्यातकों को 2000 रुपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से स्टाल मुहैया कराया जाएगा। उन्हें स्टाल पसंद करने की छूट होगी। इसके अतिरिक्त कालीन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार से मांग की जाएगी। इस मौके पर एकमाध्यक्ष ओंकारनाथ मिश्र, हाजी जलील अंसारी, रवि पाटोदिया, शिवसागर तिवारी, कमरुद्दीन अंसारी, हाजी शाहिद हुसैन अंसारी, पंकज बरनवाल, तनवीर हुसैन, जयप्रकाश गुप्ता, हाजी इश्तियाक सिद्दिकी, काशीनाथ यादव, लियाकत अली खां, अकबर अली अंसारी, राशिद मलिक, शादाब हुसैन अंसारी गोल्डी, फिरोज अख्तर सिद्दीकी व नफीस अख्तर आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

स्कूल जाते समय बालक को पचवल में ट्रक ने रौंदा, मौत

अखंड भारत संदेश

भदोही। भदोही-जौनपुर जिला के बार्डर पर रामपुर थाना क्षेत्र के पचवल गांव में मुख्य मार्ग पर गुरुवार को नगर के धौरहरा मोहल्ले के एक बालक को ट्रक ने रौंद दिया। जिसके चलते साइकिल से स्कूल जा रहे बालक की मौके पर ही मौत हो गई। गुस्साए ग्रामीणों व परिजनों ने शव को भदोही-जौनपुर मार्ग पर रखकर चक्का जाम कर दिया। सूचना मिलते ही मड़ियाहूं के सीओ व तहसीलदार मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर जाम को समाप्त कराया। लगभग एक घंटे से अधिक समय तक सड़क पर जाम लगा रहा।

नगर के धौरहरा मोहल्ले के निवासी पुलाली दुबे के 15 वर्षीय पुत्र सचिन दुबे जौनपुर जनपद के पचवल गांव में स्थित किसी स्कूल में पढ़ते थे। जो सुबह के समय साइकिल से विद्यालय जा रहे थे। स्कूल पहुंचने से पहले भदोही से जौनपुर की तरफ जा रही ट्रक संख्या यूपी 63 टी 4106 ने बालक को रौंद दिया। जिसके चलते मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक को वहीं पर छोड़कर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पास में ही स्थित सचिन के परिवार के लोग रोते-बिलखते मौके पर पहुंच गए। जहां काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ रही। वहीं पर शव को रखकर सभी ने भदोही-जौनपुर मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। इसकी सूचना मिलते ही मड़ियाहूं के क्षेत्राधिकारी एसपी उपाध्याय, तहसीलदार एके त्रिपाठी व रामपुर थानाध्यक्ष विजय शंकर सिंह मय हमराहियों के साथ मौके पर पहुंचे और चक्का जाम कर रहे लोगों को किसी तरह समझा-बुझाकर उसे समाप्त कराया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तहसीलदार ने मृत बालक को आर्थिक मदद दिलाने के साथ ही ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएं जाने का भरोसा दिलाया।

चौपाल में गिनाई उपलब्धियां

अखंड भारत संदेश

भदोही। ग्राम भगवानपुर चौथार में सूर्यकांत प्रजापति के आवास पर जन चौपाल के माध्यम से प्रजापति समाज के लोगों से जन-जन से संपर्क करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव हृदय नारायण प्रजापति ने कहा कि 5 सितम्बर को समाजवादी शिक्षक सम्मेलन एवं शिक्षक सम्मान समारोह में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आगमन पर ऐतिहासिक स्वागत करने के लिए ज्यादा से ज्यादा लोग इनारगांव सेमराध जनपद-भदोही में पहुंचे। तथा नए मतदाताओं का नाम सूची में शामिल करने के लिए फॉर्म 6 भरा गया। श्री प्रजापति ने चौपाल में उपस्थित प्रजापति जाति के लोगो से 2022 के विधान सभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए सहयोग की अपील की।

बसपा की समीक्षा बैठक में बूथों को सशक्त बनाने पर बल

ज्ञानपुर। बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक जिला अध्यक्ष राजेश गौतम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें बूथ सेक्टर को मजबूत करने का बल देते हुए आगामी चुनाव की तैयारी में बूथ प्रभारी को लग जाने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर बसपा नेता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य हरिशंकर दादा चौहान ने कहा कि आप सभी बूथ अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं के बल पर ही जनपद के तीनों सीटों पर बहुजन समाज पार्टी का परचम लहरेगा। उन्होंने कहा कि बूथ हमारा जितना मजबूत होगा उतना ही प्रचंड बहुमत के साथ प्रदेश में बहन कुमारी मायावती सरकार बनाया जाएगा। श्री चौहान ने कहा कि हम सभी लोग मिलकर काम करें तो निश्चित ही 2022 के विधानसभा चुनाव में बसपा को भारी जीत मिलेगी और प्रदेश में सुशासन राज्य की स्थापना के लिए एक बार फिर बसपा सुप्रीमो को मुख्यमंत्री के रूप में देखा जाएगा। इस अवसर पर महासचिव संतोष राव, राधेश्याम बिंद, रमाशंकर गौतम सहित

वैक्सीनेशन कैंप में दिखा उत्साह

जनपद के सभी आधा दर्जन ब्लाक संसाधन केंद्रों पर शिक्षकों और शिक्षणेंत्तर कर्मचारियों के लिए लगाया गया कैंप

ज्ञानपुर में 207 शिक्षकों ने लगवाया टीका

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। कोविड टीकाकरण को गति प्रदान करने के उद्देश्य से बेसिक शिक्षा महकमे ने आज से विशेष टीकाकरण अभियान शूरू किया है। बीएसए भूपेंद्र नारायण सिंह की पहल पर दो दिन लगने वाले कैंपों में पहले दिन भारी भीड़ देखने को मिली। शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने स्थानीय ब्लाक संसाधन केंद्रों पर टीका लगवाया। इन कैंपों में प्रथम डोज के साथ-साथ दूसरी डोज भी लगाई गई।

बीएसए भूपेंद्र नारायण सिंह की पहल पर महकमे के सभी शिक्षकों और कर्मचारियों को वैक्सीनेटेड करने के उद्देश्य से दो और तीन सितंबर को टीकाकरण कैंप का आयोजन किया गया। जनपद के सभी ब्लाक संसाधन केंद्रों पर आयोजित इस कैंप के पहले दिन शिक्षकों की भारी भीड़ देखने को मिली।

इसी क्रम में बीआरसी ज्ञानपुर में भी कैंप का आयोजन किया गया। यहां पर पहले दिन दो सौ लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया था, जिसके सापेक्ष 207 लोगों ने वैक्सीन लगवाई।टीकाकरण प्रभारी ने बताया कि यहां पर 116 लोगों ने पहली डोज लगवाई है, जबकि 91 शिक्षकों ने दूसरी डोज लगवाकर टीकाकरण का कोर्स पूरा कर लिया है। इसी तरह जनपद के बीआरसी भदोही, सुरियावां, डीघ, अभोली और औराई में भी कैंप का आयोजन किया गया।बीएसए बीएन सिंह ने टीकाकरण कैंप के दूसरे दिन, तीन सितंबर को भी भारी संख्या बीआरसी केंद्रों पर पहुंचकर टीका लगवाने की अपील की है। इसके लिए बीएसए ने समस्त नोडल, शिक्षक, संकुल एवं प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया है।

कोरोना संकटः कैसे बनाएं शारीरिक दूरी, बच्चों को बताया

खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञानपुर रवींद्र शुक्ल ने विद्यालयों का किया भ्रमण

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। कक्षा एक से पांच तक विद्यालयों को खोले जाने के पश्चात उनके संचालन, बच्चों की सुरक्षा को लेकर बेसिक शिक्षा विभाग काफी फिक्रमंद नजर आ रहा है। आज बीईओ ज्ञानपुर रवींद्र शुक्ल ने क्षेत्र के विद्यालयों का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया, साथ ही बच्चों को शारीरिक दूरी बनाए रखने का तरीका भी बताया।

ज्ञानपुर के खंड शिक्षाधिकारी रवींद्र शुक्ल ने गुरुवार को प्राथमिक विद्यालय थानीपुर एवं प्राथमिक विद्यालय गिरिधरपुर द्वितीय का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के लिए किए गए इंतजामात के साथ पढ़ाई -लिखाई के संबंध में जानकारी ली। इसके पश्चात कक्षा में पहुंचे बीईओ ने एक-एक बच्चे से कोरोना जागरुकता के संबंध में सवाल पूछे और उसका सही जवाब भी बताया। बीईओ ने बच्चों को मास्क लगाने, हाथ को समय-समय पर धोने के साथ ही शारीरिक दूरी बनाए रखने का तरीका भी बताया। कहा कि मास्क पहनना, हाथ धुलना और शारीरिक दूरी बनाए रखने की आवश्यकता स्कूल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह घर और घर के बाहर भी जरूरी है।

दूसरे ही दिन लग गई बच्चों की कतार

अखंड भारत संदेश

भदोही। परिषदीय विद्यालयों को खोले जाने के दूसरे ही दिन से स्कूलों में बच्चों की संख्या में खासा इजाफा देखने को मिला है। ज्यादातर स्कूलों में पहले दिन की अपेक्षा दूसरी दिन अच्छी-खासी संख्या नजर आई। प्राथमिक विद्यालय मोढ़ स्टेशन, सुरियावां, भदोही (इंग्लिश मीडियम) में भी बच्चों की संख्या आज काफी अच्छी रही। यहां तैनात श्याम दुबे (प्रांतीय संस्थापक संरक्षक अपग्रेड पैराटीचर्स शिक्षामित्र एसोसिएशन) ने बताया कि इस इंग्लिस मीडिएम स्कूल में कुल 201 बच्चे पंजीकृत है। स्कूल खोले जाने के दूसरी ही दिन यहां 151 बच्चों की उपस्थिति दर्ज की गई। प्रापर ड्रेस में आए बच्चों ने सुबह की प्रार्थना, पीटी, राष्ट्रगीत के साथ ही सामान्य ज्ञान में भाग लिया। इसके अलावा इन बच्चों को साफ-सफाई, मास्क लगाने और शारीरिक दूरी बनाए रखने के फायदे भी बताए गए।

प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ

घोसिया। केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय औराई के प्राचार्य डॉ वृजकिशोर त्रिपाठी ने बताया है कि महाविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2021-22 में स्नातक प्रथम वर्ष बीए प्रथम एवं बीएस-सी प्रथम वर्ष में प्रवेश कार्य दिन सोमवार समय 11 बजे से प्रारंभ होगा। बीए प्रथम बीएस-सी प्रथम वर्ष में आनलाइन आवेदन कि तिथि को बढाकर 10 सितम्बर 2021 कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि बीए प्रथम वर्ष एवं बीएस-सी प्रथम वर्ष से कोरोना के कारण प्रमोट होकर अगली कक्षा बीए द्वितीय वर्ष एवं बी.एस-सी द्वितीय वर्ष में जाने वाली छात्राओं के प्रवेश के लिए भी ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ हो चुका है। छात्राएं महाविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर प्रवेश हेतु अपना ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। ऑनलाइन आवेदन करने के पश्चात् अपने आनलाइन आवेदन की हार्ड कॉपी अन्य शैक्षिक अभिलेख टीसी चरित्र प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र के साथ छात्राएं स्वयं महाविद्यालय आकर अपना प्रवेश ले सकती हैं।

भूमि विवाद में भाइयों के बीच खूनी संघर्ष, अधेड़ की मौत

मृतक के बेटे की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। पारिवारिक और भूमि विवाद को लेकर भाइयों के बीच हुई तकरार खूनी बन गई। इस दौरान हुई मारपीट में एक भाई की गंभीर चोट लगने से मौत हो गई। इस मामले में मृतक के बेटे की तहरीर पर आरोपी भाइयों सहित चार के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। यह मामला जनपद के कोइरौना थाना क्षेत्र के भीखीपुर गांव का है। पुलिसने शव को चीरघर भेज दिया है। घटना बीती रात की है।जानकारी के मुताबिक भीखीपुर गांव निवासी मायाराम (55) वंशराज का उसके भाइयों के बीच बुधवार की रात झगड़ा हो गया था। बताया जाता है कि भाइयों के बीच जमीन को लेकर हुई तकरार मारपीट में बदल गई। आरोपित है कि इस दौरान सभी लोगों ने एक राय होकर मायाराम की लाठी-डंडे से जमकर पिटाई कर दी। जिसमें मायाराम को गंभीर चोटें आईं। मायाराम के बेदम होने के बाद परिजन अस्पताल की तरफ भागे, पर अस्पताल पहुंचने से पहले ही मायाराम की मौत हो गई। रात को ही मामले की जानकारी पर मुकामी पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर चीरघर भेजा। इस मामले में पुलिस ने घटनास्थल का भी निरीक्षण किया और परिजनों से भी बातचीत की। बताया जाता है कि इस बीच रात का फायदा उठाकर आरोपीगण मौके से भाग निकले। इस मामलेमें मृतक मायाराम के बेटे बबलू कुमार गौतम ने पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने बताया कि अपराध संख्या-120/2021 धारा- 304 भादवि का अभियोग मृतक के भाइयों हरिराम व दयाराम समेत चार के विरुद्ध नामजद अभियोग पंजीकृत किया गया है। मृतक के शव को कब्जा पुलिस में लेकर पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

फांसी लगाकर की आत्महत्या

सुरियावां। थाना क्षेत्र के ग्राम निदिऊरा में बीती रात मानसिक रूप से विक्षिप्त एक शादी शुदा 23 वर्षीय युवक अजय कुमार शुक्ल पुत्र कृपा शंकर शुक्ल के फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की खबर है। जानकारी के अनुसार अजय शुक्ल की शादी अप्रैल में हुई है। इसी बीच रिजर्ब पुलिस में नियुक्ति हुई थी। मेडिकल व बेरीफिकेशन भी हो चुका है किंतु आज से चार दिन पूर्व से मानसिक रूप से विक्षिप्त हो गए थे. बीती रात 11 बजे अपने मकान के दूसरे मंजिल के कमरे में गया और रुमाल गले मे बांधकर पंखे से लटक गया। चिल्लाने की आवाज सुनकर परिवार के लोग सीढ़ी का दरवाजा से छत के कमरे में जाकर देखा तो अजय फांसी पर लटक गया था। परिवार के लोग अजय को लेकर रात में सीएचसी सुरियावां पहुंचे, लेकिन पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने सूचना पर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर अंत्यपरीक्षण के लिए भेज दिया गया।

शिक्षक सम्मान समारोह के लिए सपा ने झोंकी ताकत

अखंड भारत संदेश

भदोही। 5 सितंबर को जिले के इनार गांव डुहियां, सेमराध में आयोजित समाजवादी शिक्षक सम्मेलन एवं शिक्षक सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आ रहे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आगमन को लेकर समाजवादियों ने अपनी पूरी ताकत झोक दी है। इस कार्यक्रम को लेकर औराई विधानसभा क्षेत्र की पूर्व सपा विधायक मधुबाला पासी के नेतृत्व में सपा नेताओं द्वारा क्षेत्र में जगह जगह सघन जनसंपर्क कर लोगों से कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। पूर्व विधायक श्रीमती पासी ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा शिक्षक समाज और बुद्धिजीवियों के सम्मान की लड़ाई लड़ी है। यही वजह है कि शिक्षक समुदाय आज समाजवादी विचारधारा के साथ तेजी से जुड़ा है। इस दौरान हुई बैठक में पूर्व विधायक श्रीमती पासी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए औराई विधानसभा से अधिक से अधिक लोगों को उनके विचारों को सुनने के लिए समस्त सेक्टर प्रभारी सह प्रभारी बूथ प्रभारी सपा नेता कार्यकर्ता औराई विधानसभा संगठन फ्रंटल संगठन प्रकोष्ठ संगठन एवं अन्य सभी सपा संगठन के समस्त पदाधिकारियों को अपने साथ अधिकतम लोगों को ले जाने के निर्देश दिया गया। वही हर बूथ पर वोट बढ़ाने के लिए बूथ प्रभारी को दिये गए फार्म 6 के प्रगति की समीक्षा किया भी किया गया। जिसमें समस्त सेक्टर प्रभारी बूथ प्रभारी अपने अपने बूथ पर नाम बढ़वाने का कार्य जारी रखे हैं। बैठक में पूर्व विधायक मधुबला पासी ने भाजपा हटाओ प्रदेश बचाओ का नारा देते हुए कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यशस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। कोई भी भाजपा सरकार मे उत्पीड़न या दबंग भाजपाई के अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाता है तो उसके खिलाफ ही मुकदमा लिख कर जेल डाल दिया जाता है। पत्रकार भी यदि भाजपा सरकार के काले करतूत को लिखता है तो उसका भी पुलिस द्वारा उत्पीड़न करके धमकाया जाता है। भाजपा सरकार के करनी और कथनी में कितना अंतर है कि देश के सभी नागरिक मिलकर जो 70 वर्ष मे सरकारी सम्पति का निर्माण किया था उसको भाजपा सरकार मुट्ठीभर उद्योगपतियों को तेजी से बेचती जा रही है। इसी को अपनी बहुत बड़ी उपलब्धी मान रही है और अब किसानो के जमीन को भी उन चन्द उद्योगपतियों को देकर उनको भूमिहीन करने पर अड़ी है। जिसके कारण किसानो के ऊपर भी लाठीचार्ज और तरह तरह उत्पीड़न कर रहे है। देश और प्रदेश में हर समाज के लोग महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार से लोग परेशान है। इस दौरान औराई विधानसभा अध्यक्ष डा. सनवारूल हक, रामयज्ञ पाल, प्रमोद उर्फ कल्लू सिंह, वेक्शनरायण यादव, रामशिरोमणि बिंद, ताहिर खान, डा. कल्ला बिंद, सलाउद्दीन अंसारी, जितेंद्र यादव, संजय सिंह, बिंदू सरोज, अंजनी सरोज, राकेश यादव, विनोद शुक्ला, शिवप्रसाद यादव, महेंद्र पासी, नाजिम नट, सीताराम यादव, सुबेदार विश्वकर्मा, समर बहादुर यादव आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

खर्च बढ़ाए सरकार

वित्त वर्ष 2021-22 की पहली यानी अप्रैल-जून तिमाही में आर्थिक विकास दर (जीडीपी) 20.1 प्रतिशत रही। इसकी वजह यह है कि पिछले साल की इसी तिमाही में जीडीपी में 24.4 प्रतिशत की गिरावट आई थी। यानी पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारी गिरावट के कारण इस साल अप्रैल-जून तिमाही में जीडीपी ग्रोथ अच्छी दिख रही है। अगर इसकी तुलना कोरोना महामारी के दस्तक देने से पहले यानी वित्त वर्ष 2019-20 की अप्रैल-जून तिमाही से करें तो यह 9.4 प्रतिशत कम है। वित्त वर्ष 2020-21 की आखिरी तिमाही (जनवरी-मार्च) की तुलना में इस साल की अप्रैल-जून तिमाही की आर्थिक विकास दर 16.9 फीसदी कम है। इसकी एक बड़ी वजह कोरोना की दूसरी लहर रही, जिससे इकॉनमी को उबरने में वक्त लग सकता है। ऐसे में लगता नहीं कि वित्त वर्ष 2021-22 की बाकी बची तीन तिमाहियों में जीडीपी ग्रोथ में इतनी बढ़ोतरी होगी कि अर्थव्यवस्था का आकार महामारी से पहले के स्तर तक पहुंच पाएगा। जीडीपी के अनुपात में ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन महामारी के पहले के 27 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यहां हमें याद रखना होगा कि कोरोना के दस्तक देने से पहले भी जीडीपी दर कमजोर थी। इसमें दूसरी दिक्कत यह है कि सरकार के खर्च बढ़ाने से अर्थव्यवस्था में निवेश बढ़ा है। यह अच्छा तो है, लेकिन इकॉनमी की रफ्तार तेज करने और उसकी अच्छी सेहत के लिए निजी क्षेत्र की ओर से निवेश बढ़ना भी जरूरी है। वह तभी होगा, जब वस्तुओं और सेवाओं की खपत यानी कंजम्पशन में बढ़ोतरी होगी।

देश की अर्थव्यवस्था में 50 प्रतिशत का योगदान रखने वाला प्राइवेट कंजम्पशन इस साल की अप्रैल-जून तिमाही में 19.3 प्रतिशत बढ़ा, जबकि एक साल पहले की इसी तिमाही में इसमें 26.2 प्रतिशत की गिरावट आई थी। दूसरे आंकड़े भी संकेत दे रहे हैं कि इसमें कोरोना की दूसरी लहर के बाद रिकवरी नहीं हुई है। रिजर्व बैंक के मई और जुलाई के कंस्यूमर कॉन्फिडेंस सर्वे दिखाते हैं कि इसमें सुधार नहीं हुआ है। निजी खपत और कंस्यूमर कॉन्फिडेंस को बढ़ावा देने के लिए केंद्र को पेट्रोल और डीजल पर टैक्स घटाने पर भी विचार करना चाहिए। इससे आम लोगों के हाथ में खर्च करने के लिए पैसा बढ़ेगा। पेट्रोल-डीजल की ऊंची कीमतों और सप्लाई संबंधी बाधाओं के कारण इधर महंगाई दर में भी बढ़ोतरी हुई है। महंगाई की सबसे अधिक चोट गरीबों पर पड़ती है। इसलिए ईंधन के दाम में कटौती बहुत जरूरी है। एक तो इससे उनकी जिंदगी आसान होगी, दूसरे खपत में भी इजाफा होगा। हालांकि सरकार ने अर्थव्यवस्था की रफ्तार तेज करने के लिए भारी-भरकम निवेश की योजना बनाई है। इसके लिए वह अपनी संपत्तियां लीज पर देकर पैसा जुटाएगी, लेकिन इस योजना पर अमल में वक्त लग सकता है। इसलिए अभी तो उसे कर्ज लेकर निवेश बढ़ाना चाहिए। इससे हर तरह के बिजनेस को फायदा होगा, रोजगार में बढ़ोतरी होगी और अर्थव्यवस्था की गति तेज होगी। सरकार को इसमें देर नहीं करनी चाहिए।

भारत, ईदी अमीन और अफगान संकट

आर.के. सिन्हा

भारत सन 1972 और सन 2021 के बीच वास्तव में बहुत बदल चुका है। इस लगभग आधी सदी के अंतराल में भारत की विदेश नीति में एक्शन को खास महत्व मिलने लगा है। अब राजधानी के साउथ ब्लाक से चलने वाले विदेश मंत्रालय से सिर्फ बातें नहीं होतीं। अब बयानबाजी के लिए जगह ही नहीं बची है। अब भारत उन भारतीयों की सुरक्षा के लिए अपने सारे संसाधन झोंक देता है, जो किसी देश में गृहयुद्ध या किसी अन्य कारण के चलते फंस जाते हैं। यह सारा देश अफगानिस्तान संकट काल में देख रहा है। संभव है कि देश की युवा पीढ़ी को पता न हो कि सन 1972 में अफ्रीकी देश युगांडा में नरभक्षी शासक ईदी अमीन ने अपने देश में रहने वाले लाखों भारतीयों को मुगलिया आदेश दिया था कि वे सभी 90 दिनों में देश को छोड़ दें। हालांकि वे भारतीय ही देश की अर्थव्यवस्था की जान थे। पर सनकी अमीन कुछ भी कर देता था। खैर, उसके फैसले से वहां पर दशकों से रहने वाले भारतवंशियों के सामने बड़ा भरी संकट खड़ा हो गया कि वे जायें तो कहां जाएं। तब भारत ने नहीं, बल्कि ब्रिटेन ने उन भारतीयों को अपने यहां शरण दी थी। तब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने युगांडा सरकार के फैसले की मीडिया में निंदा करके अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया था। हालांकि कहने को तो भारत तब भी गुटनिरपेक्ष आंदोलन का नेता था। पर सन 2021 का भारत बिलकुल अलग है।

अब भारत मैदान में उतरता है। संकट का डटकर मुकाबला करता है। भारतीय वायु सेना और एयर इंडिया के विमान लगातार अफगानिस्तान से भारतीयों को लेकर स्वदेश आ रहे हैं। इन विमानों में भारतीय नागरिकों के साथ कुछ अफगानी और नेपाली भी सवार होते हैं। काबुल में जिस तरह के हालात बने हुए है उसमें हमारे विमानों का भारतीयों को लेकर आना कोई छोटी बात मत मानिए। इनको ताजिकिस्तान के रास्ते दिल्ली या देश के अन्य भागों में लाया जा रहा है। कुछ विमान कतर के रास्ते भारत आ रहे हैं। भारत अबतक अपने हजारों नागरिकों को अराजकता में पूरी तरह डूबते जा रहे अफगानिस्तान से निकाल चुका है। दरअसल भारत अपने दूतावास के अधिकारियों, कर्मचारियों समेत आईटीबीपी के जवानों को भी काबुल से सुरक्षित लाने के बाद अफगानिस्तान में काम करने वाले सभी भारतीयों को सुरक्षित देश में वापस ला रहा है। भारत के अफगानिस्तान में दर्जनों बड़े प्रोजेक्ट चल रहे थे, इनमें अफगानिस्तान को खड़ा करने के लिए भारत हर तरह की मदद भी कर रहा था। भारत के तकरीबन 23 हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट अब बुरी तरह फंस गए हैं। इनमें हजारों भारतीय जुड़े हुए थे।

इन्हीं भारतीयों को निकाला जा रहा है। भारत की तरफ से अफगानिस्तान में बांध से लेकर स्कूल, बिजली घर से लेकर सड़कें, काबुल की संसद से लेकर पावर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स और हेल्थ सेक्टर समेत न जाने कितनी परियोजनाओं को तैयार किया जा रहा था। दरअसल, भारत वहां से भारतीयों को निकालने की तैयारी काफी पहले से कर रहा था क्योंकि अफगानिस्तान के हालात लगातार खराब हो ही रहे थे। भारत को समझ आ रहा था कि वहां से भारतीयों को देर-सवेर तो निकालना ही होगा। क्या अफगानिस्तान के हालात की तुलना युगांडा से की जा सकती है ? युगांडा में तो तत्कालीन इंदिरा गाँधी की सरकार ने वहां फंसे भारतीयों को रामभरोसे छोड़ दिया था। पर अब हमारी सरकार भारतीयों के साथ पूरी तरह से खड़ी है। भारतीय युगांडा में लुटते-पिटते रहे थे, लेकिन हमने घड़ियाली आंसू बहाने के सिवा कुछ नहीं किया था। उन भारतीयों को हमसे अभीतक गिला है, जो वाजिब भी है। क्या हम सात समंदर पार बस गए भारतीयों से सिर्फ यही उम्मीद रखें कि वे भारत में निवेश करें ? हम उन्हें बदले में कुछ न दें। यह तो कभी नहीं हो सकता। हम अपने नागरिकों के हकों के लिए किसी देश पर आक्रमण नहीं कर सकते, पर उनके हक में खड़े तो हो ही सकते हैं। आखिर भारत की ताकत अपने नागरिकों से ही बनती है। हम युगांडा में रहने वाले भारतीयों को अपने यहां सम्मानपूर्वक बुला सकते थे। वहां अधिकतर गुजराती और सिख थे। सभी उधमी ही थे। सिख भाई ईस्ट अफ्रीका में 1890-1920 के बीच रेलों का जाल बिछाने के लिए ले जाए गए थे।हमारी बदली हुई विदेश नीति के चलते ही हमने कुछ समय पहले टोगो में साल 2013 से जेल में बंद पांच भारतीय को सुरक्षित रिहा करवाया था। ये सब केरल से थे। टोगो पश्चिमी अफ्रीका का एक छोटा-सा देश है। भारत सरकार 2015 में यमन में फंसे हजारों भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाई थी। वह अपने आपमें मिसाल है। इन्हें भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा से जिबूती ले जाया गया था। जिबूती से इन लोगों को चार विमानों से भारत वापस लाया गया। यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ़ सऊदी अरब के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना ने सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। जिबूती में उस वक्त विदेश राज्य मंत्री का पद संभाल रहे जनरल (रिटायर्ड) वीके सिंह स्वयं मौजूद थे। वे यह देख रहे थे कि जिन लोगों को यमन से निकाला गया है, वे किसी तरह सुरक्षित भारत पहुंच जाएं। भारत ने साफ कर दिया था कि यमन में रह रहे हरेक भारतीय को जबतक वहां से निकाल नहीं लिया जाता, तब तक भारत का अभियान जारी रहेगा। हमने यमन से भारतीयों को निकालने के लिए हवाई जहाज और पानी के जहाज दोनों का इस्तेमाल किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफगानिस्तान से देश के नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने और वहां से भारत आने के इच्छुक सिखों व हिंदुओं को शरण देने का अधिकारियों को निर्देश भी दे दिये। अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के नियंत्रण के बाद भारत सरकार लगातार सक्रिय है। वह अपने प्रवासी नागरिकों को बचा रही है। इस क्रम में अन्य देशों के नागरिकों को भी राहत दी जा रही है। जाहिर है, ये सब कदम उठाने के बाद किसी सरकार का इकबाल बुलंद होता है। मुझे कहने दें, एक दौर में हमारी विदेश नीति का मतलब निर्गुट या राष्ट्रमंडल जैसे बड़े सम्मेलन राजधानी के विज्ञान भवन में करवाना भर ही था। जब संकट सिर पर आता था तो हमारे हाथ-पैर फूल जाया करते थे। पर अब वह गुजरे दिनों की बातें हो गई हैं। अब तो भारत भी संकट का मुकाबला करता है। यह हम अफगानिस्तान में देख ही रहे हैं।

परिसंपत्ति मुद्रीकरण के बारे में पूरा सच जानना जरूरी है

हरदीप एस पुरी

''जब-तक सच घर से बाहर निकलता है, तब-तक झूठ आधी दुनिया घूम लेता है।'' लोगों में चिंता और भय उत्पन्न करने के लिए किस तरह झूठ, अर्धसत्य एवं भ्रामक सूचनाओं का इस्तेमाल किया जाता है, उसे यह प्रसिद्ध उद्धरण अक्षरशः बयां करता है। हमारे प्रमुख विपक्षी दल अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने की अपनी हताशा में अक्सर इन गलत तौर-तरीकों का सहारा लेते रहते हैं। पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम का कहना है, 'बड़ा झूठ बेनकाब हो गया है।' वाकई, ऐसा हो गया है। लेकिन स्वयं उनका ही झूठ बेनकाब हुआ है।

यही नहीं, इससे उनकी अपनी पार्टी का यह पाखंड भी उजागर हो गया है- ऐसा आखिरकार कैसे हो सकता है कि जब कांग्रेस की सरकार थी तो जो देश के लिए अच्छा था, वही देश के लिए एकदम से बुरा हो गया है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के नेतृत्व में सरकार है। उनका संपूर्ण कथन पूरी तरह से झूठे दावों और अर्धसत्य से भरा पड़ा है। यह बड़े अफसोस की बात है कि एक वरिष्ठ सांसद और एक पूर्व केंद्रीय मंत्री को अपना राजनीतिक हित साधने के लिए ऐसा करना पड़ता है। हालांकि, इसमें वे पूरी तरह से विफल रहे हैं। मोदी सरकार ने महज एक हस्ताक्षर करके भारत की सार्वजनिक परिसंपत्तियों को शून्य या बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया है, चिदंबरम के इस दावे से यही प्रतीत होता है कि वह या तो यह समझ ही नहीं पाए हैं कि राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) के तहत आखिरकार क्या किया जाना है या वह सबकुछ समझ तो रहे हैं, लेकिन पूरी सच्चाई को तोड़-मरोड़ कर पेश करना चाहते हैं। वह जानबूझकर रणनीतिक विनिवेश को परिसंपत्ति मुद्रीकरण के साथ आपस में मिलाकर भ्रमित कर रहे हैं। कटु सच्चाई यही है कि एनएमपी की कोई भी परिसंपत्ति बेची नहीं जाएगी।

इन परिसंपत्तियों को उन शर्तों पर एक खुली और पारदर्शी बोली प्रक्रिया के जरिए निजी भागीदारों को पट्टे या लीज पर दिया जाएगा, जिनसे जनता के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ और भी बहुत कुछ हासिल होगा। इसकी पूरी प्रक्रिया देश के कानून और अदालतों की अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी। निजी भागीदार संबंधित परिसंपत्तियों का संचालन एवं रखरखाव करेगा और पट्टे या लीज की अवधि पूरी हो जाने पर उन्हें सरकार को वापस कर देगा।

पूर्व वित्त मंत्री उन अभिनव तरीकों के उपयोग के बारे में स्वयं को अनभिज्ञ दिखा रहे हैं जिनका इस्तेमाल सरकार अपनी परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण में करेगी। इसके लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (इनविट) और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (रीट) का उपयोग किया जाएगा, जो म्यूचुअल फंड की तरह विभिन्न निवेश का संयोजन (पूलिंग) करेंगे जिसे अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) और रियल एस्टेट में लगाया जाएगा। इससे भारत के लोग और प्रमुख वित्तीय निवेशक हमारी राष्ट्रीय परिसंपत्तियों में निवेश कर सकेंगे। कुछ इनविट और रीट पहले से ही शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हैं। पूर्व वित्त मंत्री ने मखौल उड़ाने के अंदाज में परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण से हर साल प्राप्त होने वाले जिस 1.5 लाख करोड़ रुपये को 'किराया' कहा है उसकी बदौलत देश में नई अवसंरचना के निर्माण में नए सिरे से कहीं ज्यादा सरकारी निवेश करने का मार्ग प्रशस्त होगा। परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण का असली उद्देश्य यही है। दुर्भाग्यवश, 2जी, कोलगेट, सीडब्ल्यूजी और आदर्श जैसे घोटालों के कारण संप्रग सरकार एक अलग तरह के मुद्रीकरण पर फोकस करती रही थी। इस देश के ईमानदार करदाताओं पर और अधिक बोझ डाले बिना ही भारत की अवसंरचना को विश्वस्तरीय बनाने के लिए सरकार को वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता है। पिछले सात वर्षों में देशभर में बनाए गए राजमार्गों की कुल लंबाई विगत 70 वर्षों में बनाए गए राजमार्गों की समग्र लंबाई से डेढ़ गुना अधिक है। इसी तरह पिछले सात वर्षों में शहरी क्षेत्र में किया गया कुल निवेश 2004-2014 के बीच के 10 वर्षों में किए गए कुल निवेश से सात गुना अधिक है। विडंबना यह है कि श्री चिदंबरम ने इसे गलत साबित करने के क्रम में संप्रग सरकार द्वारा उठाए गए उन छोटे-छोटे प्रगतिशील कदमों को भी नकार दिया है जो सार्वजनिक परिसंपत्ति के मुद्रीकरण के लिए उठाए गए थे। दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों का निजीकरण संप्रग सरकार के कार्यकाल में हुआ। उस दौरान श्री चिदंबरम वित्त मंत्री थे। इतना ही नहीं वह इस मामले में निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार मंत्री समूह के अध्यक्ष भी थे। श्री चिदंबरम लिखते हैं कि रेलवे एक रणनीतिक क्षेत्र है और इसे निजी भागीदारी के लिए खुला नहीं होना चाहिए। जब 2008 में संप्रग सरकार ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए रिक्वेस्ट फॉर क्वालिफिकेशन यानी पात्रता आवेदन आमंत्रित किया था तो उन्होंने विरोध क्यों नहीं किया था? संप्रग के बाद भी कई राज्यों में कांग्रेस की सरकार ने सार्वजनिक परिसंपत्ति के मुद्रीकरण के लिए नीतिगत निर्णय लिए हैं। फरवरी 2020 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे का मुद्रीकरण 8,262 करोड़ रुपये में किया गया। उस दौरान श्री चिदंबरम और उनकी पार्टी मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को ऐसा करने से रोक सकते थे।

इसके बाद पूर्व वित्त मंत्री ने कुछ क्षेत्रों में एकाधिकार पैदा होने की आशंका जताते हुए एक हौवा खड़ा किया है। उन्होंने गैर-प्रतिस्पर्धी प्रथाओं के लिए अमेरिका द्वारा कुछ टेक कंपनियों पर नकेल कसने, दक्षिण कोरिया द्वारा चाएबोल्स यानी बड़े कारोबारी घरानों पर सख्ती और चीन द्वारा अपने कुछ इंटरनेट दिग्गजों के परिशोधन का हवाला दिया है। भारत में भी ऐसे संस्थान हैं जो गैर-प्रतिस्पर्धी प्रथाओं से संबंधित मुद्दों को निपटाते हैं। यहां क्षेत्र विशेष के लिए नियामक हैं। यहां भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग है। उपभोक्ता न्यायालय हैं। ये सभी भारत सरकार से बिल्कुल स्वतंत्र संस्थान हैं और इनके पास किसी भी गैर-प्रतिस्पर्धी प्रथा को रोकने के लिए पर्याप्त अधिकार हैं। सरकार बाजार में प्रतिस्पर्धा को बनाए रखने के लिए भी प्रतिबद्ध है और वह प्रक्रियाओं को इस तरह से तैयार करेगी जिससे कि बाजार की ताकतों के एकजुट होने की संभावना कम से कम रहे। रेलवे ट्रैक जैसे कुछ क्षेत्रों में स्वाभाविक एकाधिकार है और इसलिए वहां किसी भी परिसंपत्ति का मुद्रीकरण नहीं होगा। पूर्व वित्त मंत्री ने रोजगार जैसे मामलों में भी हौवा खड़ा किया है। निजीकरण के मामलों का वाजपेयी सरकार द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि परिचालन का प्रबंधन कहीं अधिक कुशलता से किए जाने पर वास्तव में रोजगार की संभावनाएं बढ़ती हैं। सरकार जब प्राप्त राजस्व का नए सिरे से निवेश करेगी तो मुद्रीकरण वाली परिसंपत्तियों में नौकरियां बढ़ने के अलावा कई नए रोजगार भी सृजित होंगे। इसका एक सकारात्मक मल्टीप्लायर इफेक्ट होगा यानी प्रभाव कई गुना बढ़ जाएगा। वित्त मंत्री रह चुके किसी व्यक्ति को इसकी सराहना करनी चाहिए। अंत में, श्री चिदंबरम ने सरकार पर एनएमपी के बारे में गोपनीयता का आरोप लगाया है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। परिसंपत्ति मुद्रीकरण की घोषणा कई महीने पहले फरवरी 2021 में केंद्रीय बजट में की गई थी। उसके लिए वेबिनार और राष्ट्रीय स्तर के विचार-विमर्श के कई दौर आयोजित किए गए। पिछले सप्ताह जो घोषणा की गई वह उसकी एक रूपरेखा थी। इससे पहले सरकार ने 2016 में एक रणनीतिक विनिवेश नीति की घोषणा की थी। हमारी सरकार दूरदर्शी एवं जन-समर्थक सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। हम दृढ़ विश्वास के साथ काम कर रहे हैं। छल और गोपनीयता कांग्रेस शैली के दांव-पेंच रहे हैं। यह सरकार पारदर्शिता और राष्ट्रहित से कोई समझौता नहीं करती है।

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के मायने

प्रमोद भार्गव

ताकतवर अमेरिकी सैनिकों की अफगानिस्तान से एकाएक वापसी के फैसले से दुनिया हैरान है। पूर्ण रूप से सेना की वापसी के बाद अफगानिस्तान में घटनाक्रम किस तरह की करवटें लेगा, इस प्रश्न का उत्तर अंतरराष्ट्रीय सामरिक व कूटनीतिज्ञ जानकारों के पास भी नहीं है। परंतु अब अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के सांसद जिम बैंक्स के बयान के बाद इस पहेली पर पड़ी धूल छंटती दिख रही है। दरअसल यह सवाल पूरी दुनिया में उठ रहा है कि क्या अमेरिका व मित्र राष्ट्रों की सेनाएं इतनी कमजोर हैं कि लोकतंत्र व मानवता विरोधी तालिबान के समक्ष घुटने टेक दें ? इस पृष्ठभूमि में अब समझ आ रहा है कि अमेरिका के जो बाइडेन के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक सरकार का यह सब किया-धरा है। आशंका जताई जा रही है कि जिस चीन के साथ पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आरपार की लड़ाई लड़ने की ठान ली थी, उसी के समर्थक तालिबानियों के समक्ष बाइडेन एकाएक झुक गए ? क्या चीन और बाइडेन ने वामपंथी वैचारिक मत समर्थन के चलते ऐसा किया ? और फिर एकाएक फौज को अफगान से वापस बुलाने की घोषणा कर दी ? हालांकि अमेरिकी सेना की वापसी का तालिबान से समझौता कतर की राजधानी दोहा में फरवरी 2020 में डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में ही हुआ था।

लेकिन ट्रंप ने तालिबान के इस दावे को मानने से इनकार कर दिया था कि वह अफगानिस्तान का इस्लामिक आका है। ट्रंप आनन-फानन में हथियारों का जखीरा अफगान की धरती पर ही छोड़कर सेना वापसी के पक्ष में भी नहीं थे। इस वजह का खुलासा अब अमेरिका की विपक्षी पार्टी रिपब्लिकन करने लगी है। पार्टी के सांसद जिम बैंक्स ने कहा है कि बाइडेन सरकार की जल्दबाजी की वजह से तालिबानियों को अफगानिस्तान में बड़ी ताकत मिल गई है। तालिबान के हाथ 85 बिलियन डॉलर के अमेरिकी सेना के अस्त्र-शस्त्र लग गए हैं। इनमें 75 हजार सैनिकों को ढोने वाले वाहन, 200 से ज्यादा विमान और हॉक हेलिकॉप्टर, 6 लाख लघु व मझौले हथियार और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद शामिल हैं। यह ताकत इतनी बड़ी है कि तालिबानियों के पास दुनिया के 85 प्रतिशत देशों से कहीं ज्यादा ब्लैक हॉक लड़ाकू हेलिकॉप्टर आ गए हैं। इस हवाई ताकत से तालिबानी पगलाकर कहीं भी कहर ढा सकते हैं। इनमें नाइट डिवाइस और बुलेटप्रूफ जैकेट भी हैं। तालिबान के हाथ वे बायोमेट्रिक लैपटॉप व कंप्युटर भी आ गए हैं, जिनमें अमेरिका की मदद करने वाले अफगानियों के नाम व पते दर्ज हैं।

साफ है, तालिबानी इन लोगों से चुन-चुनकर क्रूर बदला लेंगे ? अमेरिकी सेना के पूर्व सलाहकार जोनाथन स्क्रोडन का कहना है कि लड़ाकू विमानों और हेलिकॉप्टरों पर कब्जा कर लेना तो आसान है, लेकिन इनका इस्तेमाल कठिन है। क्योंकि इन्हें उड़ाने के लिए पूरी एक प्रशिक्षित टीम की जरूरत पड़ती है। उड़ान भरने के बाद इनमें सुधार की भी जरूरत होती है। इनकी देखभाल के लिए निजी ठेकेदार थे, जो अफगान के तालिबान के कब्जे में आने से पहले ही लौट आए हैं। फिर भी खतरे से इनकार नहीं किया जा सकता है। अलबत्ता एक शंका यह भी उठ रही है कि आतंकियों के हाथ जो हथियार आए हैं, उनकी वे कालाबजारी भी कर सकते हैं। तालिबान बदला हुआ दिखाने का दावा भले ही कर रहा हो, लेकिन उसके साथ जो अन्य आतंकी संगठन हैं, उनसे दूरी बनाना मुश्किल है। यही वजह है कि तत्काल 5 लाख से भी ज्यादा अफगानी जान जोखिम में डालकर देश छोड़ने को तैयार हैं। क्योंकि इन्हें अपना भविष्य अनिश्चितता के अंधकार में डूबा लग रहा है। बावजूद तालिबानी इन हथियारों को पाकर इसलिए मजबूत लग रहे हैं, क्योंकि जो 80 हजार अफगानी सैनिक तालिबानियों के सामने समर्पण कर चुके हैं, उनमें से कुछ इन हथियारों व हेलिकॉप्टरों को चलाने में अमेरिकी प्रशिक्षकों द्वारा दक्ष कर दिए गए हैं। धर्म व नस्लीय एकरूपता के चलते ये तालिबान के साथ खड़े हो गए हैं। जिम बैंक्स का बयान इसलिए भी तार्किक है, क्योंकि बाइडेन चुनाव-प्रचार के दौरान कहते रहे हैं कि वे चीन से तनावपूर्ण संबंध नहीं रखेंगे। जबकि डोनाल्ड ट्रंप ने चीन द्वारा कोविड-19 वायरस के कृत्रिम रूप में सृजन की आशंकाओं के चलते अनेक प्रतिबंध लगा दिए थे। इस आशंका की पुष्टि अमेरिका द्वारा की गई उस एअर स्ट्राइक से भी हुई है, जिसके चलते आईएस-खुरासान गुट के उस चरमपंथी को मार दिया है, जिसने काबुल हवाई अड्डे पर आत्मघाती हमले की साजिश रची थी। अमेरिकी सेना के मुख्यालय पेंटागन ने यह दावा किया है। यहां सवाल उठ रहा है कि अमेरिका ने आखिरकार इसी हवाई अड्डे और अन्य हवाई अड्डों पर खड़े हॉक हेलिकॉप्टरों पर हमला करके उन्हें नष्ट क्यों नहीं किया ? कालांतर में यही हेलिकॉप्टर तालिबानियों की हवाई ताकत बन सकते हैं ? इस मकसद के पीछे यह कूटनीतिक मंशा जताई जा रही है कि तालिबान को बाइडेन सरकार इतनी ताकत दे देना चाहती है, जिससे रूस और तुर्की जैसे देश भयभीत रहें। दरअसल चीन ने इस्लामिक ईस्ट तुर्किस्तान मूवमेंट को आतंकी संगठन का दर्जा दिया हुआ है। इस कारण तुर्की और चीन में दूरी बनी हुई है। वैसे तालिबानियों को इन हथियारों के इस्तेमाल के लिए किसी नैतिक कारण की जरूरत नहीं है। अलबत्ता बाइडेन भारत के ट्रंप की तरह शुभचिंतक नहीं हो सकते, इस लिहाज से एक आशंका यह भी है कि तालिबान यदि अपने मददगार पाकिस्तान के जरिए इन हथियारों का उपयोग भारत के खिलाफ करता है तो भारत को अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका से हथियार खरीदने को मजबूर होना पड़ेगा ? यानी बाइडेन दोनों हाथों में लड्डू रखना चाहते हैं। वैसे भी अमेरिका समेत सभी पश्चिमी देश अपने हितों के लिए दोतरफा चालें चलने में कोई गुरेज नहीं करते। यह तथ्य इस बात से प्रमाणित होता है कि जो पाकिस्तान तालिबान को पालकर ताकतवर बना रहा था, उसे अमेरिका समेत अन्य पश्चिमी देशों ने कभी दंडित नहीं किया। जबकि पाकिस्तान दुनिया में आतंकी हमलों के लिए तालिबान समेत तमाम आतंकी शिविरों में प्रशिक्षित आतंकी उपलब्ध कराता रहा है। अमेरिका में 19/11 के आतंकी हमले के दोषी ओसामा बिन लादेन को शरण पाकिस्तान ने एबटाबाद ही दी हुई थी। अमेरिका ने यहीं उसे ढेर किया था।

एकाएक अमेरिकी फौजों के हटने के साथ ही, तालिबानियों के अफगानी सत्ता पर काबिज होने के मंसूबे पूरे हो गए। चीन भी तालिबानियों के समर्थन में इसलिए आ खड़ा हुआ है, क्योंकि वह अफगानिस्तान की धरती में समाए खनिजों का दोहन करने की मंशा पाले हुए हैं। इसीलिए इस घटनाक्रम की शुरूआत से ही चीन तालिबान के उत्साहवर्धन में लगा है। दरअसल कुटिल चीन की भूमि की एक पट्टी चीन को अफगानिस्तान की सीमा से जोड़ती है। चीन जिस देश की भी मदद करता है, उसके आर्थिक और खनिज दोहन के लिए कुख्यात है। अफगान की इस धरती के ऊपर शुष्क मेवा और नीचे खनिजों के भंडार हैं। इन खनिजों के उत्खनन की प्रौद्योगिकी अफगान के पास नहीं है। लिहाजा कथित तालिबानी सरकार को देश की माली हालत बहाल रखनी है तो खनिजों का उत्खनन जरूरी है। इन खनिजों से चीन कोरोना के चलते उद्योगों की सुस्त हुई चाल को गति दे सकता है। चीन की एशिया को जोड़ने वाला बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट को भी इस धरती से गुजरना है। गोया, चीन का तालिबान के पक्ष में नरम व मददगार रुख फलदायी साबित हो सकता है। लेकिन चीन जिस तरह की चालाकियां बरतने का आदी है, उस परिप्रेक्ष्य में नहीं लगता कि दोनों का तालमेल लंबे समय तक चलेगा ? अतएव अफगानिस्तान से सेनाओं की जिस तरह से जल्दबाजी में जो निर्णय किया गया है, उसमें जिम बैंक्स और अन्य जानकार वामपंथी हित और हरकतों की शंका देख रहे है, तो वर्तमान परिस्थितियों में वह व्यर्थ नहीं है।

योगेश्वर होने का आनंद

गुरमीत

विश्वरूपा अर्थात विश्व के कल्याण के लिए अनेक रूपों को धारण करने वाले श्रीकृष्ण ने,श्रीमद भागवत गीता मे मात्र 18 अध्यायों में ही सम्पूर्ण जीवन दर्शन को समाहित कर दिया है।गीता सिर्फ ग्रंथ नहीं अपितु मानवता को समेटे ऐसा अप्रितम संदेश है,जिसको आत्मसात कर लेने से सम्पूर्ण विश्व में जीवन अमृत की अनंत निर्मल धारा का अविरल प्रवाह गतिमान हो उठेगा।

आज से लगभग 5000 वर्ष पूर्व जो उपादेयता श्रीकृष्ण के द्वारा जीवन को व्यवहारिक रूप से प्रवाहरत रखने की थी, उससे कहीं बहुत अधिक प्रासंगिकता आज प्रतीत होती है। मानव जीवन की उत्तरोत्तर प्रगति में अनेक संकट सदैव से विद्यमान रहे हैं। जीवन के क्रमिक विकास में, जैसे जैसे साधन संसाधन जिंदगी को आसान बना रहे हैं,वैसे वैसे नैतिक मूल्यों की मात्रा में कमी होती जा रही है।जहां मानव तथा राष्ट्र के आस्तित्व को बनाए रखने के लिए,नैतिक मूल्यों का सर्वाधिक महत्व है,वहीं नित्य प्रतिदिन राक्षसी प्रवृत्तियों के निर्मूलन के लिए,विवेक तथा चतुरता की भी आवश्यकता प्रतीत होती है।इतिहास साक्षी है कि,असुरों ने दैविक गुणों को सदैव पराजित कर, मानवता के समक्ष संकट खड़ा किया है।श्री कृष्ण का दर्शन ही सिखाता है कि,कैसे मानवता तथा नैतिकता की रक्षा करते हुए, असुरी शक्तियों का विनाश किया जाए। श्रीकृष्ण की 16 कलाएं,अपने आप में सम्पूर्ण आस्तित्व के नियंता होने का दर्शन है। सामान्य मानव के लिए समस्त 16 कलाओं में प्रवीण होना असम्भव है,क्योंकि यह केवल परम सत्ता के ही गुण धर्म है।

इन सोलह कलाओं में से अंतिम कला, आस्तित्व के नियंता तो सिर्फ परम सत्ता ही है,परंतु प्रेरणा लेकर अगर हम स्व नियंता ही हो पाते हैं,तो यही मानवीय जीवन की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि होगी। श्री कृष्ण का योगेश्वर स्वरूप हमें प्रेरित करता है कि,कैसे गृहस्थ जीवन के दायित्वों को निभाते हुए,असुरी शक्तियों के निर्मूलन करने के साथ ही, हम अपने शांत स्वरूप को ध्यान के माध्यम से पा सकते हैं। सिख पंथ के दशम गुरु,गुरु गोविंद सिंह के द्वारा ङ्क संत सिपाही ङ्क की अवधारणा भी श्रीमद भागवत गीता के अंतर्निहित संदेश को प्रतिपादित करती है।

जीवन के समक्ष उत्पन्न होने वाली नित्य चुनौतियों का सामना मन को शांत रख कर ही किया जा सकता है।कर्मवादी होकर शांत तथा प्रेमपूर्ण हृदय से फल की आसक्ति रखे बगैर,अपने दायित्वों को अपने स्वभाव के अनुरूप क्रियान्वित करने का अनुपम संदेश हमें अपने मार्ग पर अभय होकर गतिमान रहने की प्रेरणा देता है।नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए नकारात्मक तथा हानिकारक शक्तियों के निर्मूलन के जो उपदेश तत्समय श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिए हैं,वह आज भी उतने ही प्रासंगिक तथा समीचीन हैं।प्रति वर्ष श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर, श्रीमद भागवत गीता तथा श्रीकृष्ण के विलक्षण 16 स्वरूपों को ध्यान कर योगेश्वर होने का संकल्प लें तथा अपने आत्मिक सौंदर्य में अभूतपूर्व वृद्धि करते हुए,जीवन पथ को सुगम बनाएं।

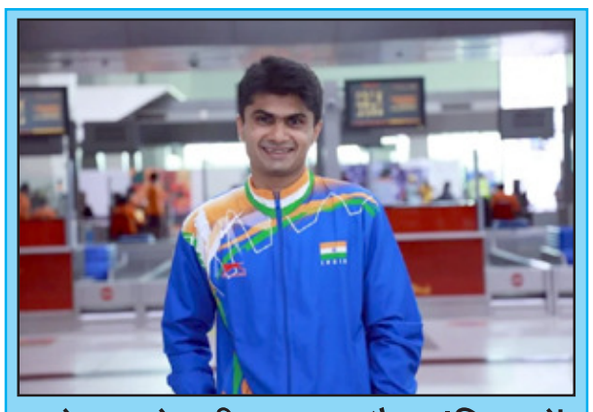

नोएडा के डीएम का पैरालंपिक में जलवा, बैडमिंटन सिंगल्स स्पर्धा में जर्मनी के खिलाड़ी को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो पैरालंपिक में नोएडा के डीएम सुहास यतिराज ने पुरुष सिंगल्स बैडमिंटन एसएल-4 स्पर्धा के ग्रुप मैच में अपना दबदबा कायम रखते हुए आसान जीत दर्ज की। उन्होंने ग्रुप मैच में जर्मनी के निकलास पॉट को 2-0 से शिकस्त दी। नोएडा डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट सुहास एलवाई जर्मनी के खिलाड़ी के खिलाफ 21-9 और 21-3 दोनों सेट जीते। अब सुहास अपना अगला मुकाबला 3 सितंबर को खेलेंगे। पहले मुकाबले के दौरान सुहास अपने प्रतिद्वंदी पर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने यह मैच महज 19 मिनट में अपने नाम किया। सुहास के झन्नाटेदार शॉट्स का जर्मनी के खिलाड़ी निकलास के पास कोई जवाब नहीं था। इस जीत के साथ नोएडा डीएम दूसरे दौर में पहंच गए। इससे पहले भारत की प्राची यादव ने कैनो स्प्रिंट में बेहतरीन शुरुआत करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। ताइक्वांडो में अरुणा तंवर ने दमदार प्रदर्शन करते हुए सर्बिया की खिलाड़ी को 29.9 के अंतर से पछाड़ा। वहीं, बैडमिंटन में पुरुष स्पर्धा में तरुण ढिल्लन अपना मुकाबला जीतने में सफल रहे। वहीं, बैडमिंटन की महिला युगल स्पर्धा में भारत की पलक कोहली और पारुल परमार की जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा।

चौथे टेस्ट में भी विराट ने अश्विन को नहीं दी जगह, फैन्स ने जमकर लताड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर चल रही है। लीड्स टेस्ट में मिली हार के बाद हार कोई टीम में बड़े बदलाव की उम्मीद कर रहा था। चौथे टेस्ट में टॉस के दौरान सबकी निगाहें कप्तान विराट कोहली पर थीं। ओवल टेस्ट में अश्विन का खेलना लगभग तय माना जा रहा था। लेकिन कप्तान कोहली ने फैन्स की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। भारत ने चौथे टेस्ट में दो बड़े बदलाव किए हैं। चौथे टेस्ट में ईशांत शर्मा की जगह उमेश यादव और मोहम्मद शमी की जगह शार्दुल ठाकुर को टीम में शामिल किया गया है। अश्विन के टीम में शामिल न होने के कारण फैन्स का गुस्सा कोहली पर फूट पड़ा। टीम में अश्विन की जगह न बनने से हार कोई हैरान है। कप्तान कोहली ने अश्विन को टीम में जगह न देने के पीछे ये तर्क दिया है कि इंग्लैंड के खेमे में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की कमी है और टीम का प्लान चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का ही है।

वहीं इससे पहले वी वी एस लक्ष्मण से लेकर माइकल वॉन तक सभी ने अश्विन को टीम में रखने की वकालत की थी। बता दें, कि आर अश्विन, भारत के लिए इस दौरे पर सबसे अनुभवी स्पिनर हैं। इसके अलावा अश्विन निचले क्रम में बल्लेबाजी को भी मजबूती प्रदान करते हैं। अश्विन ने खेले 79 टेस्ट मैचों में 413 विकेट निकाले हैं तो वहीं बल्लेबाजी में 5 शतक की मदद से 2685 रन बनाए हैं।

जेम्स एंडरसन ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का वर्ल्ड रिकॉर्ड, ऐसा करने वाले बने दुनिया के पहले क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की सीरीज के चौथे टेस्ट के दौरान जैसे ही इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन मैदान पर उतरे, उन्होंने एक खास वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। एंडरसन ने एक खास मामले में मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। होम ग्राउंड्स पर सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अब एंडरसन के नाम दर्ज हो गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड संयुक्त रूप से एंडरसन और तेंदुलकर के नाम दर्ज था। इस सीरीज के पिछले ही टेस्ट मैच में एंडरसन ने तेंदुलकर की बराबरी की थी। एंडरसन इंग्लैंड में अपना 95वां टेस्ट मैच खेल रहे हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर ने अपने करियर में कुल 94 टेस्ट मैच भारतीय जमीन पर खेले। इस मामले में तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग हैं, जिन्होंने 92 टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया में खेले हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक चौथे नंबर पर हैं, जिन्होंने अपने करियर में कुल 89 टेस्ट मैच इंग्लैंड में खेले।स्टीव वॉ भी 89 टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया में खेल चुके हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्टार ऑलराउंडर जैक्स कालिस ने अपनी जमीन पर 88 टेस्ट मैच खेले हैं। जेम्स एंडरसन के लिए यह सीरीज अभी तक काफी अच्छी रही है।

पहले मैच के दौरान चोटिल हुईं ताइक्वांडो स्टार अरुणा तंवर, रेपचेज मुकाबले से हटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ताइक्वांडो स्टार अरुणा तंवर रेपचेज मुकाबले से हट गई हैं। उन्हें पहले मैच के दौरान चोट लग गई थी। जिसके बाद उन्होंने रेपचेज मुकाबले से हटने का फैसला किया। अरुणा सेमीफाइनल में हार गई थीं और उन्हें रेपचेज मुकाबला खेलना था। टोक्यो पैरालंपिक में ताइक्वांडो की स्पर्धा में भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है। स्टार ताइक्वांडो अरुणा तंवर चोटिल हो गई हैं। जिसके बाद उन्होंने रेपचेज मुकाबले में नहीं उतरने का फैसला किया। वह अपने पहले मैच के दौरान चोटिल हुईं। जिसके बाद उन्हें स्कैन के लिए ले जाया गया। उसके बाद उन्होंने रेपचेज मुकाबले से हटने का फैसला किया। क्वार्टरफाइनल में अरुणा ने सर्बिया को जानकोविच को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन सेमीफाइनल मैच के दौरान वह मैक्सिकों की खिलाड़ी मारिया एस्पिनोजा से हार गईं। एस्पिनोजा ने उन्होंने 84-21 के अंतर से हराया। इसके बाद एस्पिनोजा सेमीफाइनल में पहुंच गईं। लेकिन अरुणा को अपने रेपचेज मुकाबले का इंतजार था। जिस दौरान वह अपना पहला मुकाबला खेल रही थीं उसी समय उनको चोट लग गई। अरुणा को पहले मैच के दौरान चोट लग गई थी।

बैडमिंटन में प्रमोद भगत सेमीफाइनल में पहुंचे, शॉटपुट फाइनल में सातवें स्थान पर रहे अरविंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो पैरालंपिक में नौवें दिन प्रमोद भगत ने बैडमिंटन में पुरुषों की सिंगल्स स्पर्धा एसएल-3 में उक्रेन के खिलाड़ी अलेक्जेंडर चिरकोव को सीधे सेटों में 2-0 से हरा दिया। इस जीत के साथ प्रमोद सेमीफाइनल में पहुंच गए। उनसे पहले राहुल जाखड़ 25 मीटर पिस्टल एसएच-1 मिक्स्ड स्पर्धा में पदक जीतने से चूक गए। राहुल फाइनल मुकाबले में पांचवें स्थान पर रहे। अन्य खेलों में प्राची यादव कैनो स्प्रिंट में शानदार शुरुआत करते हुए सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहीं। जबकि, बैडमिंटन में सुहास एलवाई ने अपना दबदबा कायम रखते हुए जर्मनी के खिलाड़ी को सीधे सेटों में 2-0 से मात दी। तरुण ढिल्लन भी अपना मुकाबला 2-0 से जीतने में सफल रहे। इसके अलावा बैडमिंटन पुरुष सिंगल्स एसएच-6 स्पर्धा में ग्रुप बी के मैच में कृष्णा नागर ने मलेशिया दीदिन तारसोह को 22-20 और 21-10 से सीधे सेटों में हराकर अगले दौर

में जगह बनाई। जबकि, पलक कोहली ने बैडमिंटन की महिला सिंगल्स एसयू-5 स्पर्धा के ग्रुप मैच में तुर्की की खिलाड़ी जेहरा बागलर को सीधे सेटों में हराकर 2-0 से जीत दर्ज की।

ताइक्वांडो में अरुणा तंवर को क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। बैडमिंटन की महिला युगल स्पर्धा में पलक कोहली और पारुल परमार की जोड़ी हार गई। इसके अलावा महिला एकल मुकाबले में भी पारुल की हार हुई।

महिलाओं की मिश्रित बैडमिंटन स्पर्धा में भारत के हाथ निराशा लगी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पलक कोहली और पारुल परमार को विश्व की दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की जोड़ी हुईहुइ और चेंग ने सीधे सेटों में हरा दिया। चीन की खिलाड़ियों ने यह मुकाबला 2-0 से अपने नाम किया। अब भारतीय जोड़ी अपना अगला ग्रुप मैच 3 सितंबर को खेलेगी।

ऐतिहासिक

रोनाल्डो ने बनाया विश्व कीर्तिमान, सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय गोल करने के मामले में बने नंबर एक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने विश्व कीर्तिमान बना दिया है। रोनाल्डो अब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे अधिक गोल करने वाले फुटबॉलर बन गए है। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने विश्व कीर्तिमान बना दिया है। रोनाल्डो अब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे अधिक गोल करने वाले फुटबॉलर बन गए हैं।

उन्होंने यह रिकॉर्ड आयरलैंड के खिलाफ विश्व कप क्वालिफायर के एक मैच में बनाया। इस मैच में उन्होंने दो गोल किए जिसके साथ ही उनके अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 111 गोल हो गए। रोनाल्डो ने 180वें मैच में यह उपलब्धि हासिल की। क्रिस्टियानो ने इस मामले में ईरान के खिलाड़ी अली देई को

पछाड़ा और उनके रिकॉर्ड को तोड़कर इस खास मुकाम को हासिल कर लिया। अली देई ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 109 गोल किए हैं।

पुर्तगाल की तरफ से खेलते हुए रोनाल्डो ने आयरलैंड के खिलाफ 89वें मिनट में पहला गोल किया और इसके बाद इंजरी टाइम के दौरान दूसरा गोल करते हुए टीम को 2-1 से अजेय बढ़त दिलाने में सफल रहे। रोनाल्डो ने हालांकि मैच में एक पेनल्टी भी गंवाया। रोनाल्डो ने इस ऐतिहसिक उपलब्धि के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं, सिर्फ इसलिए नहीं कि मैंने रिकॉर्ड तोड़ दिया, बल्कि उस खास पल के लिए जो हमारे पास था, टीम ने जो किया उसकी सराहना करनी होगी, हमें अंत तक विश्वास था। मैं बहुत खुश हूं।

शाकिब अल हसन को मिला शानदार प्रदर्शन का इनाम, बीसीबी ने ऑलराउंडर के अलावा 4 अन्य खिलाड़ियों को भी दिया तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। करीब एक साल तक बैन झेलने के बाद क्रिकेट के मैदान पर लौटने वाले बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन कमाल का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्हें अब इस प्रदर्शन का इनाम भी मिला है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शाकिब को 2021 के लिए जारी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया है। अनुभवी ऑलराउंडर प्रतिबंध के कारण पिछले एक साल किसी भी क्रिकेट गतिविधि में भाग नहीं लेने के कारण बीसीबी का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने में विफल रहे थे, लेकिन इस साल उन्हें इस लिस्ट में शामिल कर लिया गया है। शाकिब को चार अन्य? खिलाड़ियों के साथ सभी फॉर्मेट के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में जगह दी गई है।

ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल को केवल टेस्ट और वनडे मैचों के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट मिला है, जबकि महमूदुल्लाह को टी20 इंटरनेशनल और वनडे के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया गया है। यह फैसला एक सितंबर को बीसीबी अधिकारियों के बीच हुई बैठक के बाद लिया गया। बोर्ड की ओर से पेश किए गए इस साल के कॉन्ट्रैक्ट की अवधि मई से दिसंबर तक है। बोर्ड ने पिछले साल 17 के मुकाबले इस साल 24 खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट के लिए चुना है। शाकिब सहित पांच खिलाड़ियों को बीसीबी द्वारा ऑल-फॉर्मेट के लिए कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा बनाया गया है। शाकिब अल हसन अकेले ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं जिन्होंने अपने लिए ऑल-फॉर्मेट सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया है। बीसीबी ने मुशफिकुर रहीम, लिटन

दास, तस्कीन अहमद और शोरफुल इस्लाम को भी इसी तरह का कॉन्ट्रैक्ट दिया है। दास और रहीम को पिछले साल भी सभी प्रारूपों के लिए बीसीबी द्वारा अनुबंधित किया गया था, लेकिन तेज गेंदबाज अहमद और इस्लाम ने अपने-अपने करियर में पहली बार सभी फॉर्मेट के लिए कॉन्ट्रैक्ट में जगह बनाई है। तमीम ने इस साल के अंत में होने वाले टी20 विश्व कप से नाम वापस ले लिया था, लेकिन उन्हें टी20 कॉन्ट्रैक्ट के लिए नजरअंदाज कर दिया गया है। दूसरी ओर, महमूदुल्लाह ने इस साल की शुरुआत में टेस्ट से संन्यास ले लिया और उन्हें सीमित ओवरों के एकमात्र खिलाड़ी के रूप में अनुबंधित किया गया है।

अजिंक्य रहाणे पर बरसे वसीम जाफर, भारतीय उपकप्तान के आउट होने के तरीके पर भी उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी खराब फॉर्म के चलते अजिंक्य रहाणे इन दिनों आलोचकों के निशाने पर हैं। इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही मौजूदा टेस्ट सीरीज में भी रहाणे के बल्ले से महज एक ही अर्धशतक निकला है। लीड्स टेस्ट की दोनों ही पारियों को मिलाकर वह कुल 28 रन ही बना सके थे। कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों ने चौथे टेस्ट में उनकी जगह पर हनुमा विहारी या फिर सूर्याकुमार यादव को मौका देने की वकालत की है। इसी लिस्ट में अब एक और नाम जुड़ गया है। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर ने कहा कि रहाणे ने बुरी तरह से अपने प्रदर्शन से निराश किया है। जाफर ने रहाणे के आउट होने के तरीके की भी जमकर निंदा की है।अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए जाफर ने कहा, अजिंक्य रहाणे का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है, वह ज्यादातर विकेट के पीछे कैच देकर पवेलियन चलते बने हैं। उनके जैसी काबिलियत वाले खिलाड़ी को ऐसा नहीं करन चाहिए क्योंकि बैटिंग लाइनअप उन पर काफी हद तक निर्भर करता है।

सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ विराट कोहली ने अपने नाम किया एक और वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज 23,000 रन पूरे करने का वर्ल्ड रिकॉर्ड विराट कोहली ने अपने नाम दर्ज कर लिया है। लंदन के द ओवल मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की सीरीज के चौथे टेस्ट में विराट ने जैसे ही 17.6 ओवर में जेम्स एंडरसन की गेंद पर चौका जड़ा, वैसे ही उन्होंने यह वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कर लिया। विराट ने महज 490 पारियों में 23,000 रनों का आंकड़ा छुआ है, इससे पहले सबसे तेज 23,000 इंटरनेशनल रनों का वर्ल्ड रिकॉर्ड तेंदुलकर के नाम दर्ज था, जिन्होंने 522 पारियों में ऐसा किया था।इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग तीसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने 544 पारियों में यह कारनामा किया था। चौथे नंबर पर 551 पारियों के साथ दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑल-राउंडर जैक्स कालिस हैं। पांचवें नंबर पर श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा हैं, जिन्होंने 568 पारियों में यह कारनामा किया था। विराट कोहली की बात करें तो उनके खाते में 12,169 वनडे, 3159 टी20 इंटरनेशनल और 7671 से ज्यादा टेस्ट रन दर्ज हैं। विराट अभी तक 27 टेस्ट, 43 वनडे इंटरनेशनल शतक जड़ चुके हैं।

ओवल टेस्ट में चेतेश्वर पुजारा की विकेट लेकर जेम्स एंडरसन ने कियो कारनामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने भारत के खिलाफ जारी मौजूदा टेस्ट सीरीज में बल्लेबाजों को काफी परेशान किया है। लीड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट के दौरान उनकी स्विंग ने भारतीय टीम की कमर तोड़ दी थी, जिससे टीम इंडिया कभी उबर ही नहीं पाई, और उसे हार को सामना करना पड़ा। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच के दौरान, इंग्लैंड के महान गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने अनोखा कारनामा किया है। ओवल टेस्ट मैच के पहले दिन एंडरसन ने चेतेश्वर पुजारा की विकेट लेकर ये कारनामा किया। अब एंडरसन टीम इंडिया की दीवार कहे जाने वाले पुजारा को टेस्ट में सबसे ज्यादा बार अपना शिकार बना चुके हैं। एंडरसन ने पुजारा को सबसे ज्यादा 11 बार पवेलियन भेजा है। इस लिस्ट में दूसरा नंबर ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नेथन लायन का है। उन्होंने पुजारा को 10 बार आउट किया है। तीसरे नंबर पर कंगारू गेंदबाज पैट कमिंस का नंबर आता है, जिन्होंने 7 बार पुजारा को आउट किया है। चौथे नंबर पर भी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज ज़ॉश हेजलवुड हैं। उन्होंने पुजारा को 6 बार आउट किया है। बता दें कि इंग्लिश तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में एंडरसन तीसरे नंबर पर हैं। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 631 विकेट दर्ज हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में काली पट्टी बांधकर खेलने उतरी टीम इंडिया, दिग्गज कोच वासुदेव परांजपे को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज अभी 1-1 की बराबरी पर है। दोनों टीमों के बीच चौथा टेस्ट लंदन के द ओवल मैदान पर गुरुवार से शुरू हो गया है। मेजबान इंग्लैंड ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। दोनों टीमों ने अपने प्लेइंग् घ् में दो-दो बदलाव किए है। इस बीच, चौथे टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम काली पट्टी बांधकर मैच खेलने के लिए उतरी है। भारतीय टीम ने यह काली पट्टी दिग्गज कोच वासुदेव परांजपे के सम्मान में पहनी है। परांजपे का पिछले सोमवार को निधन हो गया था। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर, सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट सिखाने वाले वासुदेव का मुंबई में उनके आवास पर निधन हो गया। वासुदेव ने मुंबई के लिए 28 फर्स्ट क्लास मैच खेले थे, जिसमें उन्होंने दो शतक और इतने ही अर्धशतक बनाए थे। भारत की ओर से इशांत शर्मा और मोहम्मद शमी को इस टेस्ट के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। उनकी जगह उमेश यादव और शार्दुल ठाकुर को प्लेइंग् घ् में मौका दिया गया है। वहीं, इंग्लैंड ने ओली पोप और क्रिस वोक्स को प्लेइंग् घ् में शामिल किया है। ये दोनों खिलाड़ी जोस बटलर और सैम करन की जगह इंग्लैंड के प्लेइंग इलेवन में शामिल किए गए हैं।

इशांत और शमी को चोट के कारण प्लेइंग इलेवन से बाहर किय गया है। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने खुद टॉस के दौरान इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, टीम में दो बदलाव किए गए हैं। इशांत और शमी को चोट है और उनकी जगह उमेश और शार्दुल को शामिल किया गया है। हमारे लिए अच्छी पोर्टनरशिप करना जरूरी है।

टीका लगवाएं, भीड़ से बचें और घर पर मनाएं त्योहार

कोरोना की तीसरी लहर का डर बता सरकार ने की यह अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने कोरोना की तीसरी लहर के खतरे को देखते हुए लोगों से वैक्सीन लगवाने और घर पर ही त्योहारों को मनाने की अपील की है। इसके अलावा सरकार का कहना है कि टीका लगवाने के बाद भी लोगों को भीड़भाड़ से बचना चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमें बड़े पैमाने पर लोगों को जुटाने से बचना चाहिए। यदि ऐसा करना बेहद जरूरी होता है तो यह ध्यान रखें कि शामिल होने वाले सभी लोगों का टीकाकरण हो चुका हो। इसके साथ ही हेल्थ मिनिस्ट्री ने टीकाकरण कराने और कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की बात कही है।

केंद्र ने कहा कि यह सही है कि वीकली पॉजिटिविटी रेट में कमी देखने को मिल रही है, लेकिन अब भी कोरोना की दूसरी लहर हमारे बीच से गई नहीं है। सरकार ने कहा कि अब भी देश के 39 जिले चिंता का विषय बने हुए हैं, जहां 31 अगस्त को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान कोरोना संक्रमण की दर 10 फीसदी से ज्यादा रही है।

इसके अलावा 38 जिलों में यह आंकड़ा 5 से 10 फीसदी का है। सरकार के मुताबिक अब तक देश के 16 फीसदी वयस्कों को को कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी हैं। इसके अलावा 54 फीसदी वयस्कों को कम से कम एक टीका लग चुका है।

यही नहीं हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और दादर एवं नागर हवेली में सभी वयस्कों को कोरोना वैक्सीन का पहला टीका लग चुका है। हेल्थ मिनिस्ट्री ने कहा कि तीसरी लहर के आने की आशंका जाहिर की जा रही है। इसके अलावा आने वाले दिनों में त्योहारी सीजन भी रहेगा। ऐसे में भारी भीड़ के बीच जाने से बचना चाहिए। यदि जाना भी है तो कंप्लीट वैक्सीनेशन होना जरूरी है। अब तक देश भर में मिले हैं 300 से ज्यादा डेल्टा प्लस वैरिएंट के केस सरकार ने सलाह दी कि सभी लोगों को त्योहारों को घरों पर ही मनाना चाहिए। इसके अलावा कोरोना प्रोटोकॉल का पालन पहले की तरह ही जारी रहना चाहिए। यही नहीं उन लोगों को भी वैक्सीन लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए, जिन्होंने अब तक नहीं लगवाई है। इस बीच हेल्थ मिनिस्ट्री ने कहा कि देषश, में अब तक कोरोना के नए डेल्टा प्लस वैरिएंट के 300 से ज्यादा केस देश भर में मिल चुके हैं।

डब्लूएचओ ने कहा- कोरोना के नए वेरिएंट एमयू में वैक्सीन को भी मात देने वाले लक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कोरोना वायरस के नए वेरिएंट श्ल में वैक्सीन प्रतिरोध के संभावित लक्षण दिखे हैं। इसने वायरस के नए रूप को वेरिएंट ऑफ इन्ट्रस्ट की कैटेगरी में रखते हुए कहा है कि इस करीब से निगाह रखी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के स्वास्थ्य संगठन ने मंगलवार को साप्ताहिक बुलेटिन में यह बात कही। को इसके वैज्ञानिक नाम ˝.1.621 से भी जाना जाता है। इसे 30 अगस्त को ॅभ्व् की निगरानी सूची में रखा गया था और यह कई म्यूटेशन से बना हुआ है, जो इम्यून को चकमा देने की क्षमता की ओर इशारा करता है। इसने यह भी कहा है कि म्यूटेशन की व्यापकता को उचित महत्व देना चाहिए, क्योंकि सभी देशों में सही सिक्वेंसिंग की व्यवस्था नहीं है। यूएन एजेंसी ने हालांकि यह भी साफ किया कि इम्यून को चकमा देने की क्षमता और वैक्सीन प्रतिरोध को लेकर और अधिक शोध की आवश्यकता है।ॅभ्व् ने कहा, इस प्रकार के फेनोटाइपिक और क्लीनिकल ????विशेषताओं को समझने के लिए और अधिक अध्ययन की आवश्यकता है। स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि शुरुआती डेटा दिखाता है कि श्ल् ने उसी तरह का व्यवहार दिखाया है, जैसा बीटा वेरिएंट ने साउथ अफ्रीका में मिलने पर दिखाया था।

हिमाचल, सिक्किम समेत तीन राज्यों में हर वयस्क को लगा कोरोना का पहला टीका, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में अभी कोरोना से जंग जारी है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि सिक्किम, हिमाचल प्रदेश और दादरा नगर हवेली, इन तीनों ही राज्यों में हर वयस्क को कोरोना का पहला टीका लग चुका है। गुरुवार को हेल्थ मिनिस्ट्री ने बताया कि हिमाचल प्रदेश के अलावा अब सिक्किम और दादर एवं नागर हवेली में भी हर वयस्क को कोरोना वैक्सीन का पहला टीका लग गया है। इस तरह से देश में कोरोना से जंग की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। देश में अब तक 66 करोड़ 74 लाख से ज्यादा कोरोना टीके लग चुके हैं। इनमें से 51,38,05,787 करोड़ लोगों को पहली डोज लगी है। इसके अलावा 15 करोड़ 36 लाख से ज्यादा लोगों को दूसरा टीका भी लग चुका है। राज्यवार बात करें तो अब तक सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 7,51,29,502 टीके लग चुके हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश है, जहां 6 करोड़ से ज्यादा टीके लगे हैं। इसके अलावा मध्य प्रदेश में 4,76,47,071 और गुजरात में भी करीब इतनी ही डोज लगाई गई हैं। राजधानी दिल्ली में भी टीकाकरण तेजी से चल रहा है। अब तक दिल्ली में 1,37,66,415 टीके लग चुके हैं। टीकाकरण के मामले में टॉप 10 राज्यों की बात करें तो यूपी, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात के अलावा राजस्थान, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और बिहार शामिल हैं। इसके अलावा तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश भी इस लिस्ट में हैं।

एक तरफ टीकाकरण की रफ्तार में तेजी देखने को मिल रही है तो वहीं कोरोना के नए केसों में इजाफे ने भी चिंता बढ़ा दी है। गुरुवार सुबह बीते एक दिन में कुल 47 हजार से ज्यादा नए केस दर्ज किए गए हैं। बीते दो महीनों बाद यह पहला मौका है, जब इतनी बड़ी संख्या में नए केस मिले हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि इन केसों में से 32 हजार केस अकेले केरल से ही मिले हैं। इस तरह से देखें तो देश के अन्य हिस्सों से 15 हजार केस ही मिले हैं। नए मामलों में तेजी से हो रहे इजाफे को कोरोना की तीसरी लहर आने की आहट भी माना जा रहा है।

देश का पहला पंचायत कार्यालय जहां अब कोई नहीं कहेगा सर या मैडम, जनता से बेहतर रिश्ता बनाने की अनूठी पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप कभी उत्तर केरल के पलक्कड़ जिले में स्थित माथुर गांव पंचायत में जाते हैं तो वहां कार्यालय में बैठे किसी कर्मचारी को आपको सर या मैडम कहने की जरुरत नहीं है। आप उन्हें उनके नाम या ओहदे से बुला सकते हैं। आम जनता और पंचायत कर्मचारियों तथा अधिकारियों के बीच बेहतर रिश्ते बनाने के लिए यहां की पंचायत ने यह पहल की है। इस अनूठी पहल के तहत अपने कार्यालय परिसर में सर और मैडम जैसे औपनिवेशिक काल के आदरसूचक शब्दों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसका मकसद आम जनता, जन प्रतिनिधियों और नगर निकाय अधिकारियों के बीच खाई को भरना और एक-दूसरे के बीच प्यार तथा विश्वास बढ़ाना है। इस फैसले के साथ एक खास बात यह भी है कि

माथुर इस तरह की सलामी के इस्तेमाल पर रोक लगाने वाला देश का पहला नगर निकाय बन गया है। पंचायत परिषद की हाल की एक बैठक में सर्वसम्मति से यह ऐतिहासिक फैसला लिया गया और नए नियम का क्रियान्वयन शुरू किया गया। राजनीतिक मतभेदों को भूलकर 16 सदस्यीय कांग्रेस शासित गांव में माकपा के सात सदस्यों और भाजपा के एक सदस्य ने इस हफ्ते की शुरुआत में इस संबंध में प्रस्ताव पारित किया था।

माथुर पंचायत के उपाध्यक्ष पी आर प्रसाद ने कहा कि इस कदम का मुख्य उद्देश्य पंचायत कार्यालय आने वाले आम लोगों और जन प्रतिनिधियों तथा अधिकारियों के बीच खाई को भरना है। पंचायत सदस्यों का यह भी मानना था कि ये सम्मान सूचक शब्द औपनिवेशिक काल के अवशेष थे।

बीजेपी सरकार ने लगाई देश की संपदा की क्लियरेंस सेल, पूरी पीढ़ी हो जाएगी बर्बाद : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने हाल ही में नेशनल मोनेटाइजेशन पाइललाइन की घोषणा की है। इसे लेकर सरकार का कहना है कि इसके तहत ट्रेन, रेलवे स्टेशन, लेकर हवाई अड्डे, और सड़क जैसी बुनियादी ढांचों के क्षेत्र में निजी कंपनियों को शामिल किया जाएगा तथा संसाधन जुटाया जाएगा और संपत्तियों का विकास होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साफ किया था कि संपत्ति का स्वामित्व सरकार के पास बना रहेगा और एक निश्चित समय के बाद उनका नियंत्रण लौटाना अनिवार्य होगा। लेकिन अब सरकार की इस योजना को लेकर कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने गुरुवार को नरेंद्र मोदी

सरकार को घेरा है। पवन खेड़ा ने कहा कि पिछले 70 सालों में कांग्रेस ने जो कुछ भी बनाया उसे बीजेपी बेच रही है और अगर सरकार नहीं रुकती है तो पूरी पीढ़ी को इसका अंजाम भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने देश की संपदा की क्लियरेंस सेल का ऐलान किया है। गुजरात कांग्रेस मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पवन खेड़ा ने कहा कि सार्वजनिक संरचना को बेचने या लीज पर देने से सिर्फ इस अहम क्षेत्र में मोनोपोली आएगी। जो कांग्रेस सरकार कभी भी नहीं चाहती थी। उन्होंने कहा, अगर अब हम उन्हें नहीं रोकते हैं तो पूरी पीढ़ी नष्ट हो जाएगी। साल 2014 में सत्ता में आने से पहले बीजेपी कहा करती थी कि कांग्रेस ने बीते 70 सालों में क्या किया। जिसका जवाब है, वो संपदाएं जिसे अब आप बेच रहे हैं। हमने उन 70 सालों में भारत का निर्माण किया। बीजेपी अब भारत को बेचने में व्यस्त है।

पवन खेड़ा ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार और मौजूदा बीजेपी सरकार में अंतर है। एक संवेदनशील सरकार हमेशा इस बात का ध्यान रखती है कि उसके रणनीतिक क्षेत्र उसके हाथ से ना निकले। कोई भी संवेदनशील सरकार मोनोपोली को बढ़ावा नहीं देती। लेकिन बीजेपी सरकार के लिए देश जरुरी नहीं है। वो सिर्फ वोट के बारे में सोचते हैं और बीजेपी को और ज्यादा धनवान बनाने के बारे में सोचते हैं।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 6 लाख करोड़ रुपए की नेशनल मोनेटाइजेशन पाइपलाइन (एनएमपी) की घोषणा की थी। उन्होंने बताया था कि इसके लिए करीब 25 हवाई अड्डे, 40 रेलवे स्टेशनों, 15 रेलवे स्टेडियम और कई रेलवे कॉलोनी की पहचान की गई है। इन्हें निजी क्षेत्र के निवेश से विकसित किया जायेगा। अब कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस नेता बताया कि उनकी पार्टी के नेता पूरे देश का दौरा करेंगे और लोगों को इस मोनेटाइजेशन प्लान से होने वाले नुकसान के बारे में बताएंगे। उन्होंने कहा, सरकार ने देश की संपदा का एक क्लियरेंस सेल का ऐलान किया है और अब वो दावा कर रहे हैं कि वो इसे लीज पर दे रहे हैं।

जलीकट्टू में सिर्फ देसी नस्ल के बैलों से हो खेल की अनुमति, एचसी का राज्य सरकार को आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में जलीकट्टू में अब केवल देसी नस्ल के बैलों (सांड़) से ही खेल की अनुमति मिलेगी। मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को आदेश दिया है कि जलीकट्टू आयोजन में केवल देसी नस्ल के बैलों को ही शामिल होने की अनुमति दी जाए। साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार को यह भी निर्देश दिया कि वह बैल मालिकों और किसानों को सब्सिडी या प्रोत्साहन के माध्यम से देशी नस्लों को तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करे। दरअसल, जल्लीकट्टू तमिलनाडु का एक परंपरागत खेल है, जो पोंगल त्यौहार पर आयोजित होता है। इसमें बैलों से इंसानों की लड़ाई कराई जाती है। हालांकि, इस खेल में कई बार जानें भी चली जाती हैं।

पर्दे से झांक-झांककर मोहब्बत क्यों?, तालिबान से दोहा में भारतीय राजदूत की मुलाकात पर बोले ओवैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तालिबान और भारत के बीच पहले कूटनीतिक संपर्क पर निशाना साधते हुए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार से पूछा है कि वह इसे आतंकवादी संगठन मानती है या नहीं? उन्होंने यह भी सवाल किया है कि सरकार तालिबान से गुपपुच क्यों बात रही है, खुलकर क्यों नहीं कहती है? इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को जवाब देना पड़ेगा। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि पाकिस्तान और तालिबान का ऐसा रिश्ता है जो कभी खत्म नहीं हो सकता। ओवैसी ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में सरकार को यह साफ करने को कहा कि वह इसे आतंकवादी संगठन मानती है या नहीं। ओवैसी ने कहा कहा, सरकार क्यों शरमा रही है? पास आते भी नहीं, चिलमन से हटते भी नहीं। ये पर्दे से झांक-झांककर क्यों मोहब्बत कर रहे हैं, खुलकर बोलिए ना। यह देश का मामला है, राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सरकार इन सवालों का जवाब देना होगा, जो हम उठा रहे हैं।पाकिस्तान की ओर से तालिबान को संरक्षण देने की बात स्वीकार किए जाने पर ओवैसी ने कहा, हम उनको अपने सरजमी पर बुलाकर चाय पिलाते हैं, बिस्किट खिलाते हैं, कवाब खिलाते हैं, अगर पाकिस्तान स्वीकार कर रहा है तो आप तालिबान के आदमी को भारत की सरजमीं पर बुलाकर चाय, बिस्किट और कबाब खिलाएंगे? यह बिलकुल सही है, तालिबान और पाकिस्तान का तो ऐसा रिश्ता है जो कभी खत्म नहीं होगा। कतर में भारतीय राजदूत दीपक मित्तल और तालिबान के नेता शेर मोहम्मद अब्बास स्तानिकजई से भारतीय दूतावास में ही मुलाकात की। 15 अगस्त को काबुल पर नियंत्रण के बाद यह भारत का तालिबान के साथ पहला आधिकारिक संपर्क है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, ठकतर में भारत के राजदूत दीपक मित्तल ने दोहा में तालिबान के राजनीतिक दफ्तर के प्रमुख शेर मोहम्मद अब्बास स्तानिकजई से मुलाकात की। तालिबान के आग्रह पर यह बैठक भारत के दूतावास में हुई। विदेश मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में भारतीयों की वापसी समेत कई मुद्दों पर बातचीत हुई।

मीडिया के एक वर्ग की खबरों में था सांप्रदायिक रंग, तबलीगी जमात से जुड़े केस पर बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सोशल मीडिया और यूट्यूब पर फर्जी खबरों को लेकर नाराजगी जताई। चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना ने कहा कि सोशल मीडिया पर जजों के लिए भी बुरा-भला लिखा जाता है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने तबलीगी मामले को लेकर यह भी कहा कि मीडिया के एक वर्ग में दिखाई जाने वाली खबरों में सांप्रदायिकता का रंग दिया गया था, जिससे देश की छवि खराब होती है। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की पीठ फर्जी खबरों के प्रसारण पर रोक के लिए जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका सहित कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने अपनी याचिका में निजामुद्दीन स्थित मरकज में धार्मिक सभा से संबंधित फर्जी खबरें फैलाने से रोकने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई करने का केंद्र को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। पीठ ने पूछा, निजी समाचार चैनलों के एक वर्ग में दिखाई हर चीज साम्प्रदायिकता का रंग लिए है। आखिरकार इससे देश की छवि खराब हो रही है।

अफगानिस्तान में लगाई आग की आंच से झुलसने लगा पाकिस्तान, कहा- खतरे की वजह से बंद किया चमन बॉर्डर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने तालिबान का साथ देकर अफगानिस्तान में जो आग लगाई है, उसकी आंच में अब वह खुद भी झुलसने लगा है। तालिबान के कब्जे के महज 15 दिन बाद पाकिस्तान को भी अब तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) से इतना डर लगने लगा है कि उसने अफगानिस्तान के साथ लगते चमन बॉर्डर को बंद कर दिया है। टीटीपी के हमले की आशंका के अलावा बड़ी संख्या में आ रहे अफगान शरणार्थियों को रोकने के लिए पाकिस्तान ने यह कदम उठाया है। पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने इससे पहले कहा कि सुरक्षा कारणों की वजह से कुछ समय के लिए इस सीमा को बंद करना पड़ेगा। इस्लामाबाद में एक सभा को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के मंत्री ने कहा कि उन्होंने सीमा पुलिस से बात की है और इसके बाद सीमा को बंद करने का फैसला हो सकता है। यह ऐसे समय पर किया गया है जब पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने कहा कि देश के सामने मौजूद चुनौतियों के बावजूद पाकिस्तान की सीमा सुरक्षित है और सुरक्षाबल किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार हैं। राशिद ने चमन बॉर्डर पर खतरे की बात कही तो तोरखाम सीमा पर स्थिति को सामान्य बताया। मंत्री ने कहा कि पाकिस्तानी सेना सीमा पर नियुक्त है और आवाजाही पर नजर रख रही है। हाल ही में अफगानिस्तान सीमा पर पाकिस्तानी सुरक्षबलों पर हमले हुए हैं, जिनमें कुछ सैनिक मारे गए हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद पाकिस्तान में तहरीक-ए-तालिबान से खतरा बढ़ गया है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

बीआरआईसीएस डेवलपमेंट बैंक में बांग्लादेश सहित 3 नए देश शामिल हुए, सदस्य देशों की संख्या 8 तक पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिक्स देशों द्वारा स्थापित न्यू डेवलपमेंट बैंक में तीन नए सदस्य देश शामिल किए गए हैं। एनडीबी ने 2 सितंबर को बताया है कि उसने संयुक्त अरब अमीरात, उरुग्वे और बांग्लादेश को अपने पहले विस्तार अभियान में सदस्य देशों के रूप में स्वीकार किया है। रिपोर्ट्स बताते हैं कि पिछले साल से संभावित नए सदस्यों के साथ औपचारिक बातचीत शुरू की गई थी। बता दें कि दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थ वाले देशों ने साल 2015 में एक बैंक लॉन्च किया था। शुरू में ब्रिक्स देशों में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे। लेकिन अब तीन नए सदस्यों के साथ ब्रिक्स देशों की संख्या 8 पर पहुंच गई है। एनडीबी के अध्यक्ष मार्कोस ट्रॉयजो ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि नए सदस्यों के पास एनडीबी में बुनियादी ढांचे और सतत विकास में उनके सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच होगा। हम क्रमिक और संतुलित तरीके से बैंक की सदस्यता का विस्तार करना जारी रखेंगे।

खूनी जंग! तालिबान ने पंजशीर में 34 विद्रोहियों को मार 11 चेकप्वाइंट पर किया कब्जा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भले ही पूरे अफगानिस्तान पर तालिबान ने अपना कब्जा जमा लिया हो लेकिन यहां एक जगह ऐसा भी है जहां कब्जा करने के लिए तालिबान को खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। हम बात कर रहे हैं पंजशीर घाटी की। इस घाटी में अभी भी तालिबान विद्रोही गुट के सदस्य मौजूद हैं जो लगातार तालिबान को चुनौती दे रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में तालिबान ने यहां घातक हमले जरूर किये लेकिन उसे मुंह की खानी पड़ी है। हालांकि, इस खूनी जंग के बीच आतंकी संगठन तालिबान ने गुरुवार को कहा उसने पंजशीर प्रक्षेत्र में मौजूद विद्रोही गुट के 34 सदस्यों को मार दिया है और 11 चेकप्वाइंट पर कब्जा कर लिया है। यह जानकारी तालिबान के प्रवक्ता ज़बीउल्लाह मुजाहिद ने

स्पूतनिक को दी है। ज़बीउल्लाह मुजाहिद ने कहा, हमारे मुजाहिद्दीनों ने मजबूत पकड़ बनाई है, अब तक हमने 11 चेकप्वाइंट पर कब्जा किया है और विद्रोही गुट के 34 सदस्यों को मार गिराया है। इसमें तो अहम कमांडर भी शामिल हैं। अब हम पंजशीर की मुख्य सड़क तक पहुंच गए हैं और हमने शीतल जिले पर कब्जा कर लिया है। इसमें सिर्फ जो मुजाहिद्दीन घायल हुए हैं। अभी हाल ही में तालिबानी नेताओं ने विद्रोही गुट के नेता अहमद मसूद के साथ समझौते को लेकर बातचीत की थी। लेकिन इस बातचीत से सुलह का रास्ता नहीं निकल पाया था। जिसके बाद तालिबान ने पंजशीर पर फिर हमला किया है। मध्य अगस्त से ही मशहूर अफगानी कमांडर अहमद शाह मसूद के बेटे अहमद मसूद के नेतृत्व में तालिबान का विद्रोह कर रहे लोग पंजशीर घाटी में एकजुट हो गए थे।